आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 173 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शुक्रवार, 27 जून, 2025

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर से बैंगलोर नई ट्रेन सुविधा का वर्चुअल शुभारंभ किया, कहा-

उद्योग, रोजगार का नया हब बनेगा ग्वालियर-चंबल

मध्यप्रदेश में 24 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट प्रारंभ : केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव

ग्वालियर को नई रेल सेवा बड़ी सौगात : केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर-चंबल अंचल को एक बड़ी ट्रेन सुविधा उपलब्ध हुई है। अब अंचल के लोग ग्वालियर से ट्रेन द्वारा सीधे बैंगलोर पहुँच सकेंगे। युवाओं के लिये यह विशेष तौर पर तोहफा है। साप्ताहिक ग्वालियर–बैंगलोर ट्रेन सुविधा से आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर से गुरुवार को ग्वालियर से बैंगलोर नई ट्रेन सुविधा का वर्चुअल शुभारंभ किया। कार्यक्रम से केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी वर्चुअली जुड़े। ग्वालियर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार से मध्यप्रदेश को रेल सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक सौगातें मिली हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने रेलवे के क्षेत्र में विकास के कई आयाम छुए हैं। प्रदेश के लगभग 80 रेलवे स्टेशनों जिसमें ग्वालियर भी शामिल है, का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया के समय से ग्वालियर-अंचल को रेल सुविधाओं का जो सिलसिला प्रारंभ हुआ है, उसी कड़ी में आज ग्वालियर से बैंगलोर के लिये नई ट्रेन सुविधा मिली है।

ग्वालियर में होगी केबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. राजमाता विजयाराजे सिंधिया की कर्मभूमि और अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके सम्मान में ग्वालियर में शीघ्र ही केबिनेट बैठक का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से ग्वालियर-चंबल अंचल में रोजगार, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में ग्वालियर-चंबल संभाग उद्योग और रोजगार का नया हब बनेगा। युवाओं को उद्योगों के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। ग्वालियर और मालवा अंचल को रेल सुविधा, हवाई सुविधा के माध्यम से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्वालियर को नई रेल सुविधा की सौगात देने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल के लिये ग्वालियर से बैंगलोर चलने वाली ट्रेन बड़ी सौगात है। इस ट्रेन के शुरू होने से ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐसे युवा जो आईटी के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं उन्हें सीधे बैंगलोर पहुँचने की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। केन्द्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे के क्षेत्र में विकास के मामले में मध्यप्रदेश के लिये अनेक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। पिछले वर्ष में ही 24 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश को प्रदान किए गए हैं। प्रदेश के 80 से अधिक रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार और फ्लाईओवर निर्माण का कार्य भी किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि ग्वालियर से आगरा के मध्य भी पैसेंजर ट्रेन संचालित करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उज्जैन में सिंहस्थ में श्रद्धालुओं को उज्जैन तक पहुँचाने के लिये भी रेल मंत्रालय सार्थक प्रयास करेगा।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर को बड़ी सौगात मिली है। मध्यप्रदेश में 80 रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार कार्य में ग्वालियर का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। ग्वालियर रेलवे स्टेशन का 482 करोड़ रूपए की लागत से जीर्णोद्धार होने पर ग्वालियर-अंचल को एक व्यवस्थित और भव्य रेलवे स्टेशन भी उपलब्ध होगा। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि ग्वालियर से इटावा के लिये भी नई रेल सुविधायें उपलब्ध कराने का कार्य किया जाना चाहिए, ताकि ग्वालियर लखनऊ से सीधे जुड सके।

सीधे बैंगलोर पहुँचने के लिये परेशानी नहीं होगी : सिंधिया

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के लिये आज ऐतिहासिक दिन है। ग्वालियर को दक्षिण से जोड़ने के लिये नई रेल सुविधा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वीकृत की है। ट्रेन के प्रारंभ होने से ग्वालियर-चंबल संभाग के हजारों हजार लोगों को अब सीधे बैंगलोर पहुँचने के लिये परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बैंगलोर रेलवे स्टेशन महान इंजीनियर विश्वेश्वरैया के नाम पर है। यह सौभाग्य की बात है कि ग्वालियर की प्यास बुझाने वाले तिघरा डैम की डिजाइन भी महान इंजीनियर विश्वेश्वरैया ने तैयार की थी, उनके द्वारा तैयार किया गया डैम आज भी ग्वालियर वासियों की प्यास बुझा रहा है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि नई रेल सुविधा से न केवल ग्वालियर बल्कि शिवपुरी, गुना, अशोकनगर के लगभग 40 लाख नागरिकों को सुविधा उपलब्ध होगी। आने वाले दिनों में ग्वालियर को रेल मार्ग से कोटा से जोड़ने का कार्य भी किया जायेगा।

ग्वालियर की तकदीर और तस्वीर बदली-बदली नजर आयेगी: तोमर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में ग्वालियर को एक नई सौगात मिली है। ग्वालियर को विकास की अनेक सौगातें मिली हैं, इनमें ग्वालियर का नया रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा एवं एलीवेटेड रोड शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में ग्वालियर - चंबल अंचल में किए जा रहे विकास कार्यों से आने वाले दिनों में ग्वालियर की तकदीर और तस्वीर बदली-बदली नजर आयेगी।

औद्योगिक विकास, कौशल और रोजगार का होगा संगम

प्रदेश के विकास को गति देने 27 जून को रतलाम में होगा समागम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन को समर्पित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन 27 जून को रतलाम में होने जा रहा है। यह आयोजन प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता संवर्धन और आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की सिद्धि की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। 'एमपी राईज 2025' आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को दिशा देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर रतलाम में 'एमपी राइज 2025' कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे तथा रीवा, सागर, अलीराजपुर और पीथमपुर में रोजगारमूलक औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। इस कॉन्क्लेव की थीम 'सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास है।' सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर और उद्योगपतियों को भूमि आवंटन और निवेश परियोजनाओं के लिए आशय पत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री चयनित जिलों के हितग्राहियों से संवाद करेंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बैंकों को सम्मानित भी करेंगे।

कॉन्क्लेव में 243 करोड़ रुपये लागत के 16 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन और 11 राज्य क्लस्टर्स का लोकार्पण किया जाएगा। दो लाख से अधिक हितग्राहियों को 2400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की जाएगी। एमएसएमई विभाग और वॉलमार्ट एवं ओएनडीसी के साथ एमओयू किए जाएंगे।

साथ ही 2,850 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के आशय पत्र जारी होंगे, जिनसे 5450 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। कॉन्क्लेव में 2500 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें एमएसएमई उद्यमी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षित युवा, विभागीय अधिकारी और निवेशक शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर कॉन्क्लेव में लगाई जा रही प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

शुभांशु शुक्ला 28 घंटे सफर करके इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे

यहां पहुंचने वाले पहले भारतीय, एंट्री के बाद ISS क्रू मेंबर्स से गले मिले

एजेंसी ● फ्लोरिडा

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट आज यानी, 26 जून को शाम 4:01 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच गए। 28 घंटे के सफर के बाद वे ISS पहुंचे हैं। करीब 6 बजे स्पेस स्टेशन का हैच खुला और सभी एस्ट्रोनॉट ISS के अंदर दाखिल हुए।

शुभांशु ISS पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

ISS पर वेलकम सेरेमनी में शुभांशु ने कहा ये मेरी किस्मत है कि मैं उन चंद लोगों में शामिल हो सका, जिन्होंने स्पेस स्टेशन से पृथ्वी का नजारा देखा।आपके प्यार और आशिर्वाद से मैं इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचा हूं। यहां खड़ा होना बहुत आसान दिख रहा है, लेकिन ये सब काफी मुश्किल है।

उन्होंने कहा मेरा सर भारी है और थोड़ी तकलीफ हो रही है। लेकिन ये सब बहुत छोटी चीजें हैं, कुछ ही दिनों में हमें इसकी आदत हो जाएगी। इससे पहले दिन में क्रू ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव बातचीत में शुभांशु ने कहा था- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं... अंतरिक्ष में चलना और खाना कैसे है।'

एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे सभी एस्ट्रोनॉट ISS के लिए रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी। ये मिशन तकनीकी खराबी और मौसमी दिक्कतों के कारण 6 बार टाला गया था।

सुबह शुभांशु ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव किया था

नमस्ते फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरु हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत राइड थी.. और फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया। आपने बेल्ट खोली और आप वैक्यूम की शांति में तैर रहे थे।

मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस यात्रा का हिस्सा रहा है। मैं समझता हूं कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आप सभी की सामूहिक उपलब्धि है, जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। परिवार और दोस्तों को भी.. आपका समर्थन बहुत मायने रखता है। यह सब आप सभी की वजह से संभव हुआ है। हमने आपको जोय और ग्रेस दिखाए। यह हंस है, एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रतीक। यह बहुत प्यारा लगता है, लेकिन हमारे भारतीय संस्कृति में हंस बुद्धिमत्ता का प्रतीक है। मुझे लगता है कि पोलैंड, हंगरी और भारत में भी इसका प्रतीकात्मक महत्व है। यह संयोग जैसा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। इसका इससे कहीं ज़्यादा अर्थ है। जब हम वैक्यूम में लॉन्च हुए, तब मुझे बहुत अच्छा नहीं लग रहा था, लेकिन कल से मुझे बताया गया है कि मैं बहुत सोया हूं, जो एक अच्छा संकेत है। मुझे लगता है कि यह एक शानदार संकेत है। मैं इस माहौल में अच्छी तरह से ढल रहा हूं। दृश्यों का आनंद ले रहा हूं, पूरे अनुभव का आनंद ले रहा हूं। एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं- नए कदम, चलना, खुद को नियंत्रित करना, खाना, सब कुछ। यह एक नया वातावरण है, नई चुनौती है, और मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इस अनुभव का बहुत आनंद ले रहा हूं। गलतियां करना ठीक है, लेकिन किसी और को गलती करते देखना और भी बेहतर है।

यहां ऊपर बहुत मजेदार समय रहा है। बस इतना ही कहना चाहता हूं। आप सभी को इसे संभव बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन है कि हम यहां बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रुप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है। इसी तरह रुस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा आज

देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन दर्शन' के लिए उमड़े भक्त

एजेंसी ● पुरी

मंदिरों का शहर पुरी शुक्रवार से शुरू होने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा, 2025 का गवाह बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। रथ यात्रा से एक दिन पहले बृहस्पतिवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु ओडिशा के पुरी में 12वीं सदी के मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन दर्शन' के लिए उमड़ पड़े।

श्रद्धालु सूर्योदय से पहले ही मंदिर के 'सिंह द्वार' पर पहुंच गए और 'रत्न बेदी' (गर्भगृह में पवित्र मंच) पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के 'नबाजौबन दर्शन' (युवा रूप) किए। स्नान अनुष्ठान के बाद 11 जून को भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के सार्वजनिक दर्शन बंद कर दिए गए थे। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने कहा, "ऐसा माना जाता है कि स्नान अनुष्ठान के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अस्वस्थ हो जाने के कारण सार्वजनिक दर्शन के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं। रथ यात्रा से पहले पखवाड़े भर तक वे 'अनासर घर' (अलगाव कक्ष) में पृथक-वास में रहते हैं।*

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के एक अधिकारी के अनुसार, मंदिर सुबह आठ बजे से पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे तक 'नबाजौबन दर्शन' के लिए भक्तों के लिए खुला रहेगा। 'नबाजौबन बेशा' पर, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ एक विशेष युवा पोशाक पहनते हैं, और यह अनुष्ठान भगवान जगन्नाथ के कायाकल्प का जश्न मनाने के लिए किया जाता है। इस दिन को नेत्र उत्सव* भी कहा जाता है, जब मूर्तियों की आंखों को रंगा जाता है। मंदिर में गुप्त रूप से यह अनुष्ठान नियुक्त सेवकों द्वारा किया जाता है।

दस हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

रथ यात्रा के अवसर पर ओडिशा पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों सहित 10,000 सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती की गई है। पहली बार, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो को भी उत्सव के लिए तैनात किया गया है। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने कहा, "एनएसजी के जवान छतों से त्योहार पर नजर रखेंगे, जबकि इस बड़े आयोजन के लिए पुरी शहर में रणनीतिक स्थानों पर करीब 275 एआई-सक्षम कैमरे लगाए गए हैं। श्री गुंडिचा मंदिर में और उसके आसपास भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जहां देवताओं के साथ रथों को ले जाया जाएगा और एक सप्ताह के लिए पार्क किया जाएगा। तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ओडिशा समुद्री पुलिस, तटरक्षक और भारतीय नौसेना के कर्मियों को भी तैनात किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एनकाउंटर, 1 आतंकी मारा गया

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह से जारी एनकाउंटर में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया है। इलाके में तीन और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। IGP जम्मू जोन भीम सेन ने बताया कि बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में पिछले एक साल से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। गुरुवार सुबह साढ़े 8 बजे इनकी जानकारी मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सिक्योरिटी फोर्सेज के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया है। सोर्स के अनुसार, इलाके में 3 और आतंकी हैं। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर हुआ

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। सरकारी बयान में गुरुवार को बताया गया कि डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स (CVR और DFDR) सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा।

MIT-WPU में सस्टेनेबल टनलिंग पर इंटरनेशनल वर्कशॉप में माननीय केंद्रीय मंत्री, नितिन गडकरी ने कहा:

अगले 10 सालों में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के टनल की योजना

पुणे ● एजेंसी

आज MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) में माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने 'सस्टेनेबल टनलिंग फॉर बेटर लाइफ' पर इंटरनेशनल वर्कशॉप का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन की शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति (ITA-CET) के सहयोग से दो दिनों के इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारत, यूरोप, यूके और अमेरिका के ग्लोबल एक्सपर्ट एकजुट हुए।

योजना

MIT-WPU में टनलिंग और अंडरग्राउंड कंस्ट्रक्शन एक्सीलेंस सेंटर का उद्घाटन इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, जो भारत में इस तरह की पहली फैसिलिटी है। टनल मॉनिटरिंग लैब के साथ-साथ ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग लैब की सुविधा भी उपलब्ध है। इस एक्सीलेंस सेंटर को सैंडविक और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया गया है, जिसका उद्देश्य अंडरग्राउंड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड रिसर्च तथा ट्रेनिंग में सहयोग देना है।

इस वर्कशॉप में मुख्य संबोधन के अलावा तकनीकी सत्र और पैनल चर्चाओं का भी आयोजन किया गया, जिनकी अध्यक्षता श्री अर्नोल्ड डिक्स (इंटरनेशनल टनलिंग एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष) और इस क्षेत्र के अन्य जाने-माने विशेषज्ञों ने की। माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में कहाः 'भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के सबसे अच्छे दौर में कदम रख रहा है, जिसमें सुरंगें कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही हैं। हम अगले 10 सालों में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के टनल प्रोजेक्ट्स पूरा करने की योजना बना रहे हैं। इसे हकीकत में बदलने के लिए, हमें क्वालिटी से कोई समझौता किए बिना कंस्ट्रक्शन के खर्च को कम करना होगा। इसका मतलब है कि, हमें नई टेक्नोलॉजी के साथ-साथ सीएनजी, इथेनॉल, हाइड्रोजन और डीजल के इलेक्ट्रिक विकल्पों जैसे सस्टेनेबल फ्यूल का उपयोग करना होगा। हमें पुरानी टनलिंग मशीनों की मरम्मत करके उसे फिर से नया बनाना होगा, ऑस्ट्रिया, नॉर्वे और स्पेन जैसे यूरोपीय देशों से पुरानी मशीनों का आयात करना होगा, और सबसे बड़ी बात हमें अपनी खुद की मशीनें बनानी होंगी। भारत की भौगोलिक संरचना देश के हर हिस्से में अलग-अलग है, इसलिए रिसर्च और ट्रेनिंग बहुत ज़रूरी है। फैकल्टी के साथ-साथ इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स और जानकार इंजीनियरों को साथ मिलकर छात्रों को सही राह दिखानी चाहिए। मेरा मंत्रालय इससे जुड़े इक्विपमेंट और ट्रेनिंग के साथ हर तरह का सहयोग देने के लिए तैयार है। इनोवेशन, रिसर्च और सच्ची लगन के साथ, हम भारत को टनलिंग टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में आत्मनिर्भर बना सकते हैं।" इस मौके पर उन्होंने सस्टेनेबल टनलिंग टेक्नोलॉजी में रिसर्च की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए MIT-WPU की तारीफ़ की, जो भारत जैसे विकासशील देश के लिए फिलहाल सबसे बड़ी ज़रूरत है।

MIT-WPU के संस्थापक, डॉ. विश्वनाथ कराड ने कहा:

"शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी में इतनी तरक्की फेसबुक से लेकर एआई तक के बावजूद हमारे पास आज भी ऐसे टूल्स नहीं हैं, जो सही मायनों में शांति को बढ़ावा दें। 1996 में, हमने साइंस, स्पिरिचुअलिटी और फिलॉसफी को एक साथ जोड़कर शांति की राह ढूंढने के लिए दुनिया की पहली कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। फिर भी, जैसे-जैसे अशांति बढ़ रही है, जिसे देखकर मैं बस यही पूछता हूँ, क्या कोई ऐसा सस्टेनेबल तरीका है जिससे हमेशा कायम रहने वाली शांति हासिल की जा सके? आध्यात्मिक सोच रखने वाले इंजीनियर होने के नाते, मैं मानता हूँ कि सिर्फ इनोवेशन करना ही असली तरक्की नहीं है, बल्कि अपनी हर कोशिका के अंदर की चार ताकतों: यानी अपने तन, दिमाग, मन और आत्मा के बीच बेहतर तालमेल बनाना ही असली तरक्की है। अपने भीतर के इसी तालमेल से ही हम कॉन्शसनेस को समझना शुरु कर सकते हैं, और मेरा मानना है कि यही अंतिम सच्चाई और सुकून भरी दुनिया की बुनियाद है।"

इस मौके पर श्री अर्नोल्ड डिक्स ने कहा, 'ये एक्सीलेंस सेंटर पूरी दुनिया के लिए काफी मायने रखता है, क्योंकि यह इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता और उसे उपयोग में लाने की काबिलियत के बीच के अंतर को दूर करता है। बहुत बार, युवा कामगार जोखिम में पड़ जाते हैं क्योंकि उन्हें इतनी बारीकी से डिज़ाइन की गई चीज़ों को सुरक्षित तरीके से बनाने के लिए ज़रूरी ट्रेनिंग नहीं मिल पाती है। MIT-WPU में, मुझे फैकल्टी और छात्रों के बीच एक अनोखा जुड़ाव दिखता है, जो एक परिवार की तरह लगता है। जिन ग्रेजुएट्स से मैं यहाँ दो साल पहले मिला था, वे अब देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर बना रहे हैं, जो वाकई काबिले तारीफ है। यह एक्सीलेंस सेंटर सिर्फ़ ज़रूरी ही नहीं है, बल्कि उन मुश्किलों को भी स्वीकार करता है जिनसे हम जूझ रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि, यह देश और दुनिया में क्षमता विकसित करने, लोगों की जान बचाने और सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।'

शॉट न्यूज

फर्जी आईडी देकर बैंक से निकाल लिए चार लाख रुपए

इंदौर। मल्हारगंज इलाके में एक चौकाने वाला धोखाधड़ी का केस सामने आया हैं। एक प्रिंटिंग प्रेस कारोबारी के द्वारा बैंक में क्लियरिंग के लिए डाले गए चेक को आरोपी बैंक से उड़ा ले गया और फिर अकाउंट पे चेक को कांट छांट कर उसने सेल्फ पे चेक बनाकर दूसरी बैंक से फर्जी आधार कार्ड व आईडी लगाकर 4 लाख रुपए निकाल लिए। मल्हारगंज टीआई वेदेन्द्र सिंह ने बताया कि फरियादी नियाज अहमद पिता सईद एहमद खान निवासी ग्रीन पार्क कालोनी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया हैं। घटना की शुरुआत 10 जून को कैनरा बैंक शाखा मल्हारगंज एमजी रोड से हुई। फरियादी का खजूरी बाजार में प्रिंटिंग प्रेस का कारोबार हैं। उसे आजाद हुसैन द्वारा बैंक ऑफ इंडिया शाखा गांधी नगर ने एक एकाउंट पे चैक क्रं 006304 रूपये 4 लाख का भुगतान के लिए दिया गया था। फरियादी नियाज अहमद उक्त चेक को एकाउंट पे चैक होने से कैनरा बैंक शाखा मल्हारगंज इन्दौर में जमा पर्ची भरकर बैंक के ड्राप बाक्स में डाल दिया। जब उक्त चेक करीब 2 दिनों तक क्लीयर ना हो सका तो फरियादी तीसरे दिन जब बैंक गया। जहाँ बैंक के द्वारा चैक ढुंढने पर नही मिला तो फरियादी ने पार्टी के द्वारा दिये गए चेक के बारे में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा गांधी नगर से जानकारी निकाली गई तो वहां के बैंक कर्मचारी द्वारा कहा गया कि उक्त चेक राशि 11 जून को सेल्फ विड्रल के माध्यम से क्लीयर हो गया है।

सुसाइड नोट लिखकर युवक ने लगाई फांसी, मर्जी से जान दे रहा हूं

इंदौर। छत्रीपुरा इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक शहर में रहकर एमएससी की पढ़ाई कर रहा था। मृतक की पहचान भारत पिता पवन वास्कले(32) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से धरमपुरी के ग्राम भूरिया का निवासी था। वह होल्कर साइंस कॉलेज में एमएससी का छात्र था और इंदौर में अपने चचेरे भाई जितेंद्र के साथ किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार देर रात की है। जितेंद्र जब नौकरी से घर लौटा तो भारत ने दरवाजा नहीं खोला। काफी देर तक आवाज लगाने और कॉल करने पर भी जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने खिड़की से झांककर देखा तो भारत फंदे पर लटका हुआ था। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। भारत के पिता किसान हैं, मां गांव की सरपंच और भाई सरपंच प्रतिनिधि हैं। घटना से पूरा परिवार सदमे में है। छात्र के कमरे से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें भारत ने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से यह कदम उठा रहा है और इसके लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए। साथ ही उसने परिवार से माफी भी मांगी है।

आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा के सतत नेट-जीरो भविष्य के विजन का नेतृत्व किया

संबलपुर ओडिशा ● एजेंसी

स्थिरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आईआईएम संबलपुर ने काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (CEEW) और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के साथ मिलकर ओडिशा के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। इकोनॉमिक ट्रांज़िशन कोएलिशन ओडिशा (ETCO) के माध्यम से, आईआईएम संबलपुर राज्य में नौकरियों, विकास और स्थिरता को एकीकृत करने की एक रणनीतिक योजना को साकार करने में जुटा है।

ETCO द्वारा प्रकाशित एक श्वेत पत्र के माध्यम से, यह गठबंधन आईआईएम संबलपुर की गहरी स्थानीय विशेषज्ञता, ओडिशा के उद्योग और शैक्षणिक नेताओं की भागीदारी, और भारत व अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा बदलाव की दिशा में CGS के कार्यों से प्राप्त अंतर्दृष्टियों का लाभ उठाता है। 'A New Economic Transition Framework for Jobs, Growth, and Sustainability in Odisha' शीर्षक वाले इस श्वेत पत्र में ओडिशा को 2050 तक एक उच्च-आय, समावेशी और नेट-ज़ीरो अर्थव्यवस्था में बदलने की व्यापक दृष्टि प्रस्तुत की गई है। यह साझेदारी पांच-स्तरीय रणनीति को उजागर करती है जिसमें शामिल हैं: उच्च और समान आय, सतत खाद्य प्रणाली, जलवायु लचीलापन, जैव विविधता की शून्य हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में नेट-ज़ीरो लक्ष्य।

आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रो. महादेव जायसवाल ने कहा, "आईआईएम संबलपुर में सस्टेनेबिलिटी केवल इमारतों या रैंकिंग तक सीमित नहीं है। जैसा कि हम जानते हैं कि ओडिशा भारत के वैश्विक सतत विकास की कहानी का नेतृत्व करने के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के मुहाने पर है। इस गठबंधन में भागीदार के रूप में आईआईएम संबलपुर की भूमिका इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे शिक्षाविद नीति को प्रभावित कर सकते हैं और उद्योग से लेकर हर जगह गहरा बदलाव ला सकते हैं। ईटीसीओ में एक प्रमुख भागीदार के रूप में, आईआईएम संबलपुर नीतिगत कार्यों और रणनीतिक रूपरेखाओं की पहचान करने में सहायक रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ओडिशा हरित विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी विकास का केंद्र बन जाए, जिसमें खनन और तापीय क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए संक्रमण रणनीति, हरित इस्पात, कार्बन कैप्चर और हाइड्रोजन-आधारित ऊर्जा प्रणालियों जैसी हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना शामिल है।' उन्होंने आगे कहा, 'प्राकृतिक आपदाओं के प्रति ओडिशा की संवेदनशीलता के जवाब में जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे की स्थापना, जैव विविधता संरक्षण पर मजबूत ध्यान, पशु-मानव संघर्ष को कम करना और कृत्रिम आवास और इको-कॉरिडोर बनाना और किसानों की समान आय, कृषि वानिकी और मिट्टी कार्बन कायाकल्प का समर्थन करने वाली सतत खाद्य प्रणालियाँ भी महत्वपूर्ण हैं। भारत के नेट ज़ीरो लक्ष्यों और एनईपी 2020 के अंतःविषय सहयोग के आह्वान से जुड़े विजन के साथ, आईआईएम संबलपुर 21वीं सदी में एक बिजनेस स्कूल होने के अर्थ को एक नई पहचान दे रहा है, न केवल प्रबंधकों का निर्माण कर रहा है बल्कि स्थायी राष्ट्र निर्माताओं को सक्षम बना रहा है।' इसके अतिरिक्त, यह फ्रेमवर्क ओडिशा के खनिज-समृद्ध भूभाग और विस्तृत समुद्र तट का उपयोग करते हुए उसे एक वैश्विक ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र में बदलने का प्रस्ताव करता है, जिसमें पर्यावरणीय सुरक्षा और समुदाय की भागीदारी सर्वोपरि होगी।

विश्व नशा मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर हुए कई कार्यक्रम

इंदौर। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित एक उमंग नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र राघव परिवार सुदामा नगर इंदौर पर विश्व नशा मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र के अजय शर्मा ने बताया कि नशा छोड़ने वाले लोगों के बीच डीएसपी नारकोटिक्स संतोष हाडा और उनके सहयोगी टीआई पीएस कायत, एसआई अजय शर्मा स्टेट काउंसलर रजत शर्मा (नागदा) केशव शर्मा एवं उनका नुक्कड़ ग्रुप द्वारा संस्थान में नशे से जीवन को बचाने के उद्देश्य से सभी वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में नाट्य कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। सभी अतिथियों और वक्ताओं ने मरीजों से संवाद कर बताया कि किस प्रकार नशे से दूर होकर वह खुद को और अपने परिवार को खुशहाल रख सकते हैं। इसके साथ ही संस्था से अपने नशे का इलाज करवा कर समाज की मुख्य धारा में लौटे लोगों का भी अतिथियों द्वारा सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में आभार संस्था की अध्यक्ष राधा अजय शर्मा द्वारा किया गया।

भोपाल स्टेशन पर यात्रियों को मिला विश्वस्तरीय अनुभव

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा एक्सीक्यूटिव एवं वीआईपी लॉन्ज का भव्य लोकार्पण

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। इस क्रम में, आज भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव एवं वीआईपी लॉन्ज का भव्य उद्घाटन मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उनके कर-कमलों से संपन्न हुआ। समारोह की गरिमा को बढ़ाने हेतु अनेक विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के माननीय खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, माननीया महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, तथा माननीय विधायक-उत्तर श्री आतिफ आरिफ अकील, माननीय अध्यक्ष नगर निगम श्री किशन सूर्यवंशी मंच पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। रेल प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबंधक भोपाल श्री देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

साथ ही इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन की ओर से ग्रुप जनरल मैनेजर (मुंबई) श्री गौरव झा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने इस लॉन्ज के निर्माण एवं संचालन से संबंधित जानकारी साझा की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यह लॉन्ज इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन द्वारा विकसित किया गया है। लगभग 10,693 वर्गफुट में फैले इस आधुनिक लॉन्ज में प्रीमियम श्रेणी की सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जो यात्रियों को रेल यात्रा से पहले और बाद में विश्राम, मनोरंजन और कार्य के लिए एक भव्य एवं अनूठा वातावरण उपलब्ध कराएंगी।

बैठक व्यवस्था एवं विश्राम क्षेत्रः एक्जीक्यूटिव लॉन्ज में 200 यात्रियों और वीआईपी लॉन्ज में 100 यात्रियों के लिए वातानुकूलित आरामदायक बैठक की व्यवस्था की गई है। 48 लगेज रैक की सुविधा के साथ-साथ तीन 'नैप ज़ोन' भी बनाए गए हैं, जहां यात्रियों को विश्राम हेतु रीक्लाइनर व बेड यूनिट्स उपलब्ध हैं।

मुख्य सुविधाएंः पूरे लॉन्ज को पूर्णतः वातानुकूलित किया गया है। इसमें यात्रियों के लिए आरामदायक सोफा, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, वाई-फाई कनेक्टिविटी, संगीत एवं टेलीविजन, शौचालय, स्नानगृह, मेकअप मिरर, हैंड ड्रायर, वॉश एंड चेंज जैसी अत्याधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रवेश शुल्क एवं रिफंडेबल डिपॉजिटः एक्जीक्यूटिव लॉन्जः 50 प्रति व्यक्ति प्रति घंटा। आगंतुकों को एक वेलकम ड्रिंक (चाय/कॉफी) निःशुल्क दी जाएगी।

वीआईपी लॉन्जः 100 प्रति व्यक्ति प्रति घंटा , इसमें अपग्रेडेड सुविधाएं जैसे रीक्लाइनर, स्नैकिंग आइटम्स (समोसा/वड़ा) और गेम एक्टिविटी भी शामिल हैं।

वैकल्पिक प्रीमियम सेवाएं (सशुल्क)ः लगेज हैंडलिंग, प्रिंट/स्कैन सेवाएं, वॉश एंड चेंज सुविधा, कॉन्फ्रेंस एवं मीटिंग एरिया, यात्रा एक्सेसरीज़, नियमित व विशेष बुफे आदि यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुलभ कराई गई हैं। यह लॉन्ज न केवल भोपाल स्टेशन पर रेल यात्रियों के अनुभव को समृद्ध करेगा, बल्कि यह पूरे पश्चिम मध्य रेलवे के लिए गौरव का विषय है। ऐसे प्रयास यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और सुखद यात्रा का अनुभव प्रदान करने में मील का पत्थर सिद्ध हो रहे हैं।

मंत्री श्री सारंग के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश के विभिन्न उत्पादों विशेषरूप से मसालों और हैंडीक्राफ्ट के एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित करने राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के साथ मप्र राज्य सहकारी संघ एवं मंडी बोर्ड के बीच होगा एमओयू

संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश के विभिन्न उत्पादों विशेषरूप से मसालों एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार, 27 जून को भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड (NECL) और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यशाला में 'मध्यप्रदेश के किसानों को निर्यात के लिये सक्षम बनाना' विषयक संयुक्त उत्पाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मसालों के निर्यात को संस्थागत रूप से बढ़ावा देने के लिए नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के साथ मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ और मंडी बोर्ड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। कार्यशाला में प्रदेश भर से लघु एवं मध्यम स्तर के मिर्च, धनिया, लहसुन आदि मसाला उत्पादक किसान, हस्तशिल्प निर्माता, सहकारी समितियाँ, एफपीओ तथा अन्य उत्पादक समूह भाग लेंगे। विशेषज्ञों द्वारा निर्यात प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, और बाजार उपलब्धता जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है : मनोहर तिवारी

संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि 'अतः अस्ति आरंभ' हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी।

शुरुआत

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया।

वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया।

इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

आई बसों को सुविधाजनक रूट उपलब्ध कराने के लिए निगम की तैयारी

बारिश बाद बीआरटीएस को तोड़ने की फिर होगी प्रक्रिया

संवाददाता ● इंदौर

सुविधा

करीब साढ़े 13 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस को बारिश बाद तोड़ा जा सकता है। इसके बाद यहां डिवाइडर बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों का मत है कि डिवाइडर बनने से बीआरटीएस पर चलने वाली आई बसों को सुविधा होगी। हालांकि डिवाइडर बनाने के लिए भी एक लंबी चुनौती का सामना करना होगा। निगम के जानकारी विभाग द्वारा करीब साढ़े 13 किलोमीटर लंबे एबी रोड के हिस्से पर डिवाइडर बनाने के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार एबी रोड पर साढ़े 13 किलोमीटर लंबे मार्ग पर डिवाइडर तैयार करने से इस रूट पर चलने वाली बसों को आसानी रहेगी। हादसों पर भी अंकुश लगेगा। नगर निगम और स्मार्ट सिटी दोनों ही आर्थिक तंगी के दौर गुजर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को छायादार बस स्टॉप उपलब्ध कराने के लिए एआईसीटीएसएल विज्ञापन डाटा एजेंसी को ढूंढ रहा है। यह एजेंसी है अपना विज्ञापन इन स्टॉप पर करेंगे और बिना पैसे लिए बस स्टॉप भी ने बनाएंगे। हालांकि यह अभी सामने नहीं आया है कि विज्ञापन एजेंसी यहां पर सिस्टम बनाने के बाद कितने समय इन पर विज्ञापन लगाएंगी। निगम बीआरटीएस को तोड़ने की टेंडर जारी कर दिए हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा लोकधन का नुकसान बीआरटीएस के बीच में बने बस स्टॉप को तोड़ने में होगा। दूसरी तरफ यात्रियों से बस स्टॉप की सुविधा भी छिन जाएगी। ऐसे में नए बस स्टॉप बनाने के लिए एआईसीटीएसएल विज्ञापन एजेंसी की तलाश कर रही है।हालांकि जब तक बीआरटीएस टूटा नहीं है और नए बस स्टॉप नहीं बन जाते तब तक यात्रियों को धूप, बारिश और ठंड में ही बसों का इंतजार करना होगा। निगम अधिकारियों के अनुसार जब बीआरटीएस बना था तो उसके एक एक बस स्टाप की लागत बहुत खर्चीली थी अब वह तो समाप्त हो गया, लेकिन आई बसों का संचालन एआईसीटीसीएल द्वारा किया जा रहा है। जो बस स्टॉप बने थे वे सड़क के बीच में ही बने थे वे हटाने जा रहे हैं ऐसे में अब सड़क के दोनों तरफ बस स्टॉप बनाने ही हैं। यही ध्यान में रखते हुए एआईसीटीसीएल द्वारा एक नया रास्ता खोजा गया है, जिससे किसी तरह का वित्तीय भार कम्पनी पर ना पड़े और बस स्टॉप भी निर्मित हो जाएं इसके लिए विज्ञापनदाताओं एजेंसियों से ऑफर प्राप्त किए जाएंगे ताकि वे बस स्टॉप का निर्माण कर सकें।

शॉट न्यूज

निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करने पर की कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में वाहनों के नियम विरूद्ध संचालन पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। आरटीओ इंदौर की टीम द्वारा बुधवार को एयरपोर्ट क्षेत्र में निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में नियम विरूद्ध संचालन करने पर कई कारें जप्त की गईं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी कि एयरपोर्ट एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में नियम विरूद्ध व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण नियमानुसार टैक्सी के रूप में संचालित वाहनों को अनावश्यक समस्या हो रही थी। इन वाहनों पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई की भनक लगते ही ऐसे अन्य वाहन इधर-उधर हो गये। उक्त कार्रवाई आकस्मिक रूप से निरंतर जारी रहेगी।

श्रद्धानंद मार्ग कलाली मोहल्ला से अवैध गुमटियां टीन शेड हटाए

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार विगत दिनो जनसुनवाई में प्राप्त अवैध निर्माण की शिकायत के निराकरण के तहत आज अपर आयुक्त लता अग्रवाल के निर्देशन में झोन क्रमांक 12 में 56 श्रद्धानंद मार्ग कलाली मोहल्ला स्थित पंदमवंशीय मारवाड़ी राठौर पंचायत गोपाल मंदिर ट्रस्ट के स्वामित्व चारभुजा नाथ मंदिर की जमीन पर से अवैध गुमटियां टीनेशेड हटाने की कार्यवाही की गई। उक्त अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई को रोकने के लिए अवैध निर्माणकर्ता द्वारा हाईकोर्ट में डब्ल्युपी नंबर 22689/2025 नीलम सोनकर विरूद्ध नगर निगम इंदौर याचिका अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई को रोकने और कार्रवाई पर स्थगन आदेश के लिए याचिका लगाई थी, जिसे उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 23 जून 2025 को बिना किसी आदेश के खारिज किया गया था।

सिगरेट लाने से मना करने पर पेट में चाकू घोंपा

इंदौर। सिमरोल इलाके में सैरसपाटे के लिए दोस्तों के साथ गए युवक पर एक बदमाश ने हमला कर दिया। एक ढाबे के सामने आरोपी ने धमकाते हुए उसे कहा कि जा मेरे लिए सिगरेट लेकर आ। मना करने पर बदमाश ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया और भाग गया। पुलिस के मुताबिक अड़ीबाजी और चाकूबाजी की वारदात बाईग्राम में इंदौरी ढाबा के सामने हुई। घायल का नाम संजय पिता बद्रीलाल पाटीदार निवासी निवासी स्मृति नगर है। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी रवि सूर्या के खिलाफ केस दर्ज किया गया । फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं और दोस्त कल सिमरोल क्षेत्र में घूमने गए थे। वापस आते समय इंदौर ढाबा पर खाना खाने के लिए रुके। ढाबे के सामने शाम 4 बजे बैठे थे। तभी आरोपी आया और मेरे से बोला कि मैं रवि सूर्या हूं, मुझे नहीं जानते, ऐसा बोलकर कहा कि तू मेरे लिए सिगरेट लेकर आ। मैंने सिगरेट लाने से मना किया तो उसने गालिया दी। मैंने गाली देने से मना किया तो उसने चाकू से पेट में वार कर दिया।

ये सामान प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स की निशानदेही पर सर्चिंग में मिले

सोनम का लेपटॉप और पिस्टल नाले से बरामद

कार में मिले एक लाख कैश

संवाददाता ● इंदौर

सर्चिंग

राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में एक नया खुलासा हुआ है। प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स ने फ्लैट से सोनम का लैपटॉप और अन्य सामान निकालकर नाले में फेंक दिया था। लैपटॉप और सामान की तलाश में शिलांग पुलिस सिलोम को लेकर वहां पहुंची। इसके बाद पुलिस जवान उसे लेकर नाले में उतरे और तलाशी ली। इस दौरान नाले में सफेद रंग की एक थैली मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। इसके बाद पुलिस प्रॉपर्टी ब्रोकर को उसके घर लेकर पहुंची, जहां पर उसकी कार से रुपये जब्त किए गए हैं। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी राज और सोनम की गिरफ्तारी, फिर उन्हें फ्लैट दिलाने वाला सिलोम जेम्स, और फिर सुरक्षा गार्ड और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार सुबह शिलॉन्ग पुलिस बिल्डर लोकेंद्र तोमर को भी लेकर इंदौर पहुंची। दोपहर में लोकेंद्र, सिलोम और बलवीर को क्राइम ब्रांच थाने लाया गया, जहां तीनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। बिल्डर लोकेंद्र तोमर और सिलोम जेम्स को भी आमने सामने बैठाकर पूछताछ की गई। इस दौरान सिलोम जेम्स ने ही इस बात का खुलासा किया कि उसे पता है कि सोनम का सामान कहां है। इसके बाद उसने इंडस्ट्री हाउस के पीछे नाले में सामान फेंकने की जानकारी दी। उसी की निशानदेही पर अब शिलांग पुलिस इंदौर में अहम सबूतों की तलाश कर रही है। इसी कड़ी में शिलांग पुलिस आरोपियों का लेकर इंदौर के पलासिया क्षेत्र के इंडस्ट्री हाउस के पास स्थित नाले में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सिलोम की पत्नी से भी पूछताछ की गई। उधर पुलिस लोकेंद्र को लेकर भी कुछ इलाकों में सर्च करने पहुंची है।

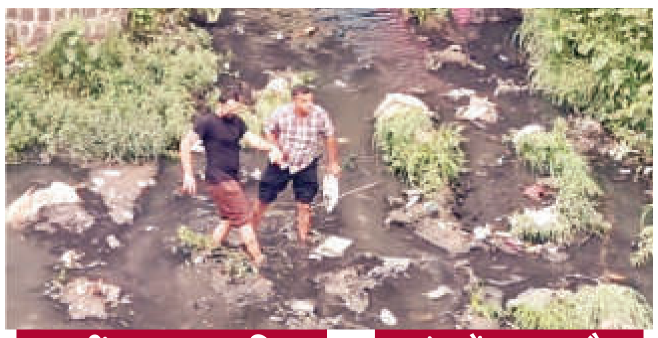

नहीं चाहता था कि पुलिस सच जाने

सिलोम जेम्स ने पुलिस को बताया कि उसने सोनम का लैपटॉप चेक किए बिना फेंक दिया था। उसे पता था कि लैपटॉप डिजिटल एविडेंस है। इससे सिलोम फंस सकता था। वह नहीं चाहता था कि पुलिस को पता चले कि इंदौर में सोनम, विशाल चौहान और राज कुशवाह उसके फ्लैट में रुके थे। शिलॉन्ग पुलिस के लिए सोनम का लैपटॉप कोर्ट में अहम सबूत साबित हो सकता है।

बरामदगी से केस को मिलेगी नई दिशा : शिलॉन्ग पुलिस ने इंदौर के इंडस्ट्रीज हाउस के पीछे नाले से सफेद थैली में रखी पिस्टल बरामद की है, जो सोनम के बैग में थी। इसके साथ ही बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर सिलोम जेम्स के घर के बाहर खड़ी कार से एक लाख नकद भी जब्त किए गए हैं। यह बरामदगी केस को एक नई दिशा में ले जा सकती है। राजा रघुवंशी के परिवार ने मामले में हाईकोर्ट जाने की बात कही। राजा के बडे. भाई सचिन रघुवंशी ने शिलॉन्ग के वकीलों से एक अपील की है कि सोनम, राज, आकाश और आनंद जघन्य हत्याकांड में शामिल हैं। किसी वकील को इन आरोपियों की पैरवी नहीं करनी चाहिए।

जांच में हवाला और तंत्र क्रिया की भी एंट्री

पुलिस को अब इस केस में हवाला कारोबार से जुड़े इनपुट भी मिलने लगे हैं। अंदेशा जताया जा रहा है कि सोनम के लैपटॉप में हवाला लेन-देन से जुड़ी जानकारी हो सकती है। इसके अलावा कुछ ऐसी जानकारियां भी सामने आई हैं, जो तांत्रिक क्रिया से जुड़ी हुई लग रही हैं और इससे मर्डर केस की गुत्थी और उलझ गई है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए शिलॉन्ग पुलिस फिलहाल सिलोम और बलवीर को इंदौर में ही रखकर जांच जारी रखेगी।

शिलांग पुलिस ने इंदौर पुलिस से साझा नहीं की कोई जानकारी : इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शिलॉन्ग पुलिस तीनों आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिलॉन्ग पुलिस ने अभी तक इंदौर पुलिस को पूछताछ में मिली जानकारी साझा नहीं की है। तीनों आरोपी फिलहाल ट्रांजिट रिमांड पर हैं और पुलिस की निगरानी में हैं।

चार तस्कर पकड़ाए, लाखों की ब्राउन शुगर जब्त

इंदौर। शहर में पुलिस ने अलग-अलग स्थान से चार तस्करों को गिरफ्तार कर लाखों रुपए की ब्राउन शुगर बरामद की है। बाणगंगा थाने के उप निरीक्षक अभिरुचि कनौजिया के मुताबिक टिगरिया बादशाह काकड़ के पास से आदर्श पिता छोटेलाल द्विवेदी निवासी एकता नगर को पकड़ा। तलाशी लेने पर 21. 85 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत दो लाख रुपए की जप्त की है। राऊ थाने के उप निरीक्षक प्रवीण यादव ने बताया कि चेकिंग के दौरान भोला उर्फ मनोहर पिता छगनलाल 40 साल निवासी मल्हारगंज को राव बाईपास सिल्वर सिटी मैं रोड से पकड़ा तलाशी लेने पर 14 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत एक लाख 70 हजार की बरामद की है। पुलिस ने एमआर 4 के पास से आकाश पिता राम सेवक चौरसिया को पकड़ा और उसके पास से एक लाख रुपए कीमत की 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है।

किराना दुकान संचालक ने की महिला से छेड़छाड़

इंदौर। बाणगंगा इलाके की महिला की शिकायत पर पुलिस ने किराना दुकान संचालक के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। घटना शीतल नगर इलाके की किराना दुकान की हैं। 50 वर्षीय महिला ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह कल शाम 5 बजे क्षेत्र में स्थित एक किराना दुकान पर सामान लेने गई थी। दुकान संचालक अंकित पिता सीताराम साहू ने छेड़छाड़ करते हुए बुरी नीयत से मेरा दायां हाथ पकड़ लिया और अपनी तरफ खींचकर मोबाइल नंबर मांगने लगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी की इस हरकत से मुझे ठेस पहुंची। उसने बताया कि आरोपी पहले भी कई बार उसे घूर-घूर कर देखा था। पीड़िता ने यहां जानकारी परिजन को दिए और फिर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया।

प्रशासन ने बारिश को बताया हादसे की वजह

टनल का एक हिस्सा ढहा दो मजदूरों की जान गई

संवाददाता ● इंदौर

हादसा

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर महू के पास चोरल इलाके में निर्माणाधीन टनल का एक हिस्सा बुधवार अलसुबह करीब 4 बजे भरभराकर गिर गया। हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच में बारिश को इस दुर्घटना की वजह बताया है। मृतकों में झारखंड निवासी विकास राय (29) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सिंगरौली निवासी लालजी कौल (26) ने इंदौर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मामले में जानकारी देते हुए डीएसपी ग्रामीण उमाकांत चौधरी के मुताबिक सिमरोल थाना क्षेत्र स्थित ट्रनल के निर्माण में हादसे की घटना सामने आई है टनल के यहां पर एग्जिट गेट था जहां पर अचानक से सुबह मिट्टी धंस गई और इस हादसे में दो मजदूर की मौत हुई है बताया जा रहा है कि झारखंड के रहने वाले विकास और सिंगरौली के रहने वाले लालजी नामक व्यक्ति की मौत हुई है दोनों ही पिछले कुछ वर्षों से इंदौर टू खंडवा हाईवे के दौरान बनाई जा रही सड़क और ट्रनल में काम कर रहे थे फिलहाल प्रारंभिक जांच पड़ताल शुरू कर दी है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार, यह हादसा इंदौर से करीब 35 किमी दूर टनल नंबर 3 में हुआ, जिसका निर्माण कार्य हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। बुधवार तड़के सुरंग का करीब 18 मीटर ऊंचा और 16 मीटर चौड़ा हिस्सा अचानक ढह गया।

पत्थर गिरने से मजदूर गाड़ी में चिपक गया

मृतक विकास के जीजा और प्रत्यक्षदर्शी सुदामा सिंह ने बताया कि हादसा रात 3:30 से 4:00 बजे के बीच हुआ, जब टनल के ऊपर से अचानक पत्थर और मिट्टी गिरने लगी। सुदामा के अनुसार, एक युवक जो गाड़ी पर खड़ा होकर काम कर रहा था, पत्थर गिरने से गाड़ी में ही चिपक गया और वहीं उसकी जान चली गई। उन्होंने बताया कि वे महज आठ दिन पहले ही यहां काम पर आए थे, और मृतक विकास उनका साला था। एनएचएआई और प्रशासन मौके पर, टनल निर्माण से यात्रा होगी सुगम घटना के बाद महू एसडीएम राकेश परमार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि टनल के एक छोर पर रात से मजदूर काम कर रहे थे। मलबा हटाने के लिए दो पोकलेन मशीनें लगाई गई हैं, और उसे डंपरों के जरिए हटाया जा रहा है। इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल नदी के पास दो सुरंगों का निर्माण चल रहा है, जिनकी लंबाई क्रमशः 500 मीटर और 300 मीटर है।

आयुक्त बोले : सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से करें

न गंदे पानी की शिकायत आए और न जलभराव हो

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा ली गई समीक्षा बैठक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर में कहीं से भी गंदे पानी की शिकायत प्राप्त न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। जलभराव और सीवेज ओवरफ्लो की समस्याओं को रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी उपाय तत्परता से किए जाएं। जलभराव की समस्या न उत्पन्न हो, इसके लिए ड्रेनेज व्यवस्था को चाकचौबंद करें और संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। स्ट्रॉम वॉटर लाइन की सफाई कार्य को प्राथमिकता दी जाए तथा सुनिश्चित किया जाए कि कोई नाली या चैंबर अवरुद्ध न हो। जहां भी सड़क या पाइपलाइन का कार्य चल रहा हो, वहां उचित एवं व्यवस्थित बैरिकेटिंग की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना समाप्त हो। सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। नागरिकों को त्वरित राहत मिले, यह सुनिश्चित करें।

सक्रिय रहकर निरीक्षण करें - आयुक्त वर्मा ने सभी झोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर निरीक्षण करें और समस्याओं का स्थायी समाधान निकालें। वर्कशॉप प्रभारी को यह भी निर्देशित किया गया कि मानसून में उपयोग होने वाले आवश्यक उपकरण जैसे पंप, बैरिकेड्स, वाहन आदि पूर्ण रूप से क्रियाशील स्थिति में रखें। बैठक में समस्त अपर आयुक्त ,उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री,कार्यपालन यंत्री, एवं समस्त झोनल अधिकारियों,प्रभारी अधिकारी वर्कशॉप व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निगम की पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने में लगेंगे दो से तीन माह

नगर निगम की वर्षों पुरानी बिल्डिंग को दो से तीन माह में तोड़ने की तैयारी है। इससे पहले बिल्डिंग में संचालित हो रहे कई कार्यालयों को नई बिल्डिंग में तीसरी मंजिल पर शिफ्ट किए जाने की तैयारी है। इनमें लेखा विभाग, जनकार्य विभाग के साथ कुछ अपर आयुक्तों के दफ्तर भी शिफ्ट करने की तैयारी शुरू हो गई है। नगर निगम द्वारा नई बिल्डिंग के बगल में बनी पुरानी बिल्डिंग के हिस्से को तोड़ने की तैयारी है। वहां नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा का कार्यालय भी संचालित होता है। कई एमआईसी मेंबर के दफ्तर, सभापति मुन्नालाल यादव सहित अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर और जनकार्य विभाग के साथ लेखा शाखा और आईटी सेल के कुछ कार्यालय संचालित होते हैं। निगम द्वारा नई बिल्डिंग बनाई जाना है, जिस पर करीब 25 करोड़ की राशि खर्च होगी। इसके लिए नगर निगम अधिकारियों के कई कार्यालय नई बिल्डिंग के तीसरे माले पर शिफ्ट होंगे। इसके साथ ही कई विभाग भी आने वाले दिनों में वहीं से संचालित किए जाने की तैयारी है। एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर के मुताबिक सबसे पहले जनकार्य विभाग का दफ्तर तीसरी मंजिल पर शिफ्ट होगा। वहां नए दफ्तरों के लिए काम चल रहा है। इसके साथ ही लेखा शाखा और कई एमआईसी मेंबरों के कार्यालय भी वहीं शिफ्ट किए जाएंगे।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए ह्यलेटर ऑफ पर्पसह्ण (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं।

इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहराती। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया।

जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, ह्णओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है। उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि ह्णनिबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।

यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है।

इस बीच के एक सर्वे से पता चला है कि 89% कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72% कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं।

इस बीच के एक सर्वे से पता चला है कि 89% कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72% कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैं: 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचचाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी।

4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी।

5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं। कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें।

फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा तंत्र है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने ह्यमाय नेम इज रहीम खानह्ण शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक ह्यमाय नेम इज अली खान महमूदाबादह्ण होना चाहिए था।

फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है।

एडिट.नोट

उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।

ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य ह्यसरकारीह्ण संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था। इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है।

याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक समूह ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी। और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था। एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि ह्यबोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है! हालात ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है। अली खान प्रकरण की तुलना मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह से करें, जिन्होंने कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक और साम्प्रदायिक टिप्पणी की थी।शाह को मंत्री पद से हटाने या सार्वजनिक रूप से फटकारने के बजाय भाजपा-नेतृत्व इस पर चुप है। मंत्री ने दिखावटी माफी मांग ली है।

निरजा चौधरी-लेखक

अब भारतीय राजनीति में थरूर फैक्टर के क्या हैं मायने?

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष की राजनीति में यदि कोई केंद्र बिंदु बना है तो वो हैं डॉ. शशि थरूर। वे तब सुर्खियों में आए, जब केंद्र सरकार ने उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व सौंपा, जबकि उनकी पार्टी ने उनके नाम की सिफारिश तक नहीं की थी। हालांकि मनमोहन सिंह ने भी कश्मीर पर राउंड-टेबल वार्ता के लिए 2006 में श्रीनगर में एक ऐसे ह्यसरकारी प्रतिनिधिमंडलह्ण का नेतृत्व किया था, जिसके लिए दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों से कोई सुझाव नहीं मांगे गए थे।

वास्तव में, सरकार ने तीन और ऐसे कांग्रेस सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, जो कांग्रेस की ओर से नामित नहीं किए गए थे। इनमें सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी और अमर सिंह हैं। सरकार ने राहुल गांधी की ओर से भेजे गए नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना, शेष तीन नाम खारिज कर दिए। यदि थरूर को शामिल नहीं किया गया होता तो कांग्रेस और सरकार के बीच एक ऐसे समय में राजनीतिक मतभेद उभरकर सामने नहीं आए होते, जब सरकार कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एकजुटता दिखाने की कोशिश कर रही है।

थरूर ने निमंत्रण को तुरंत स्वीकारा और उसे अपने लिए ह्यसम्मानह्ण बताया। उन्होंने कहा कि ह्यजब देशहित में मेरी सेवाओं की दरकार हो तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।ह्ण थरूर ने वैश्विक मीडिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का पक्ष बेहद प्रभावी ढंग से रखा था। केरल से चार बार सांसद रह चुके थरूर एक समय संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बनने को लेकर उम्मीदजदा थे। तब उनकी वाकपटुता और सम्प्रेषण-कौशल ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को प्रभावित किया था। कई लोगों का मानना है कि पहलगाम के बाद भारत के पक्ष को थरूर ने इतने बेहतर तरीके से सामने रखा है, जितना कि भाजपा प्रवक्ता भी नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ समय से थरूर कांग्रेस आलाकमान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। गांधी परिवार को लगता है कि उन्होंने थरूर की कई बार करियर में आगे बढ़ने में मदद की थी, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खरगे के सामने खड़े हो गए। हालांकि थरूर हार गए, लेकिन उन्होंने अपना असर जरूर छोड़ा। वे पार्टी से परे भी अपने प्रशंसक बनाने में सफल रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा था कि पार्टी ने उनका ठीक से उपयोग नहीं किया है और उनके पास ह्यदूसरे विकल्पह्ण भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। पेशेवर और बुद्धिमान लोगों के साथ ही युवा भी उन्हें सम्मान की नजर से देखते हैं। लोग उन्हें सुनने आते हैं। उनके समर्थक केरल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत में देखे जा सकते हैं। उन्होंने अपना यह जनाधार हाईकमान की मदद के बिना तैयार किया है। कांग्रेस में कई नेता अचरज करते हैं कि आखिर थरूर की राजनीति क्या है? कई उनके भाजपा की ओर झुकाव का संकेत भी करते हैं। मोदी सरकार द्वारा थरूर को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सौंपने से भी इन अटकलों को बल मिला है। थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका सहित पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। मौजूदा हालात में यह साफ नहीं है कि क्या कांग्रेस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और अगर हां तो किस आधार पर। केरल में अगले साल चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में थरूर के खिलाफ कोई भी कदम उठाना कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। केरल ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। वाम मोर्चा वहां पर पिछले दो कार्यकालों से सत्ता में है। यह भी साफ नहीं है कि थरूर आने वाले हफ्तों में क्या करने वाले हैं। क्या वे नई पार्टी बनाएंगे, अलबत्ता यह कभी भी आसान नहीं होता। वे भाजपा या सीपीएम में शामिल हो सकते हैं। लेकिन इसकी भी संभावना बहुत कम है। क्योंकि ऐसा करने पर उनकी वो तमाम राजनीतिक पूंजी नष्ट हो सकती है, जो उन्होंने कमाई है। या क्या वे निर्दलीय सांसद के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं? ये सब अभी अटकलें हैं, लेकिन यह साफ है कि केंद्र सरकार उनका सदुपयोग करना चाह रही है। थरूर भी उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार उन्हें ऐसी कोई भूमिका दे, जैसे अभी दी है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन थरूर-फैक्टर हमें भविष्य के बदलावों का संकेत जरूर देता है। क्या गांधी परिवार की अवहेलना के बावजूद अपनी जमीन कायम रखने से थरूर को कांग्रेस के अनपेक्षित हलकों से समर्थन दिलाया है? अतीत में कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी तो इन्हीं कारणों से लोकप्रियता मिली थी।

बिजनेस

ट्रम्प की धमकी, भारत में आईफोन बनाए तो 25%-टैरिफ लगेगा:अमेरिका में ही फ्रैक्ट्री लगाएं

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को एक बार फिर धमकी दी है। शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए।

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो, तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखाअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के उएड टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। एपल उएड के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी ट्रम्प ने गुरुवार (15 मई) को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में दी। उन्होंने कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा।

इसके बावजूद एपल की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन ने भारत में 1.49 बिलियन डॉलर (करीब 12,700 करोड़) का निवेश किया है। फॉक्सकॉन ने अपने सिंगापुर यूनिट के जरिए बीते 5 दिन में तमिलनाडु के युजहान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में यह निवेश किया है।एपल के उएड टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50% आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं।

सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन: एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जियोपॉलिटिकल टेंशन, ट्रेड डिस्प्यूट और कोविड-19 लॉकडाउन जैसे दिक्कतों से कंपनी को लगा कि किसी एक क्षेत्र में ज्यादा निर्भर रहना ठीक नहीं है। इस लिहाज से एपल के लिए भारत एक कम जोखिम वाला ऑप्शन साबित हो रहा है।गवर्नमेंट इंसेंटिव: भारत की मेक इन इंडिया इनिशिएटिव और प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव (ढछक) स्कीम्स कंपनियों को लोकल मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता देती हैं। इन पॉलिसीज ने फॉक्सकॉन और टाटा जैसे एपल के पार्टनर्स को भारत में ज्यादा निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बढ़ती बाजार संभावना: भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन मार्केट में से एक है। लोकल प्रोडक्शन से एपल को इस मांग को पूरा करने में ज्यादा मदद मिलती है, साथ ही इसकी बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ जाती है, जो फिलहाल लगभग 6-7% है। एक्सपोर्ट के लिए अवसर: एपल इंडिया में बने अपने 70% आईफोन को एक्सपोर्ट करता है, जिससे चीन की तुलना में भारत के कम इम्पोर्ट टैरिफ का फायदा मिलता है। 2024 में भारत से आइफोन एक्सपोर्ट 12.8 बिलियन डॉलर (करीब 1,09,655 करोड़) तक पहुंच गया। आने वाले समय में इसके और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। स्किल्ड वर्कफोर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर: भारत का लेबर फोर्स एक्सपीरियंस के मामले में चीन से पीछे है, लेकिन अभी इसमें काफी सुधार हो रहा है। एपल के फॉक्सकॉन जैसे पार्टनर, प्रोडक्शन की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं और कर्नाटक में 2.7 बिलियन डॉलर (23,139 करोड़) के प्लांट जैसी फैसिलिटीज का विस्तार कर रहे हैं।

राज-काज

सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 23 मई को सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 243 अंक की तेजी रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी, जबकि दो में गिरावट रही। जोमैटो, पावर ग्रिड, क्ळउ और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 3.5% तक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया समेत कुल 14 शेयरों में 1.8% तक की तेजी रही। सनफार्मा और एयरटेल 1.8% तक फिसले। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। ठरए के ऋटउऋ इंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, क्ळ इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 175 अंक ऊपर 37,300 और कोरिया का कोस्पी 2 अंक ऊपर 2,592 के स्तर पर बंद हुआ।

अडाणी 50,000 करोड़ निवेश करेंगे, मोदी बोले- भारत दुनिया का सबसे डाइवर्स नेशन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत को दुनिया का सबसे डाइवर्स नेशन कहा जाता है। हमारा नॉर्थ ईस्ट इसका सबसे डाइवर्स हिस्सा है। इस मौके पर मुकेश अंबानी ने पूर्वोत्तर के राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों से क्षेत्र के विकास को लेकर 6 वादे किए। गौतम अडाणी ने अगले 10 साल में अपने ग्रुप से पूर्वोत्तर में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश की घोषणा की।

दिन चलेगा समिट- मिनिस्टर लेवल सेशन, इ2ऋ और इ2इ मीटिंग दो दिन चलने वाली समिट में मंत्री स्तर के सेशन, बिजनेस टु गवर्नमेंट, बिजनेस टु बिजनेस बैठकें होंगी। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए घरेलू और ग्लोबल इन्वेस्टर्स को एक मंच पर लाने के लिए यह समिट की जा रही है। समिट से टूरिज्म, एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ, एजुकेशन और एनर्जी जैसे सेक्टर्स में निवेश को प्रमोट करने की योजना है। पूर्वोत्तर राज्यों की इन सेक्टर्स में 2023-24 में ग्रोथ (राज्य ऋऊढ) 9.26 लाख करोड़ रुपए रही। यह 2014-15 से 2021-22 तक 10.8% की दर बढ़ी जबकि इस दौरान देश का औसत ऋऊढ 8.1% था।रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, 'मैं ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाम करता हूं। यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प और हमारे सशस्त्र बलों की बेजोड़ बहादुरी का एक शानदार प्रमाण है।'

'आज मैं अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों से 6 वादे कर रहा हूं। सबसे पहले, रिलायंस ने पिछले 40 साल में इस क्षेत्र में लगभग 30,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अगले 5 साल में हम अपने निवेश को दोगुना से भी अधिक करेंगे और हमारा लक्ष्य 75,000 करोड़ रुपए होगा। इससे इस क्षेत्र में 25 लाख से ज्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार के अवसर पैदा होंगे।'अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडानी ने कहा, 'पिछले एक दशक में, नॉर्थ-ईस्ट की पहाड़ियों और घाटियों में, भारत की विकास कहानी में एक नया अध्याय सामने आ रहा है। इस उत्थान के पीछे एक ऐसे नेता का विजन है जो सीमाओं को नहीं, केवल शुरूआत को मानता है।

नई दिल्ली के रिठाला में एक केमिकल फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने की कोशिश करते दमकलकर्मी। इस घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई।

सोने का दाम 106 रुपए गिरा 97,159 पर पहुंचा:चांदी 1.07 रुपए बिकी ; इस साल सोना 26% और चांदी 14% बढ़ी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी शुक्रवार, 23 मई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्षखअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 299 रुपए बढ़कर 95,516 रुपए पर पहुंच गया है। कल यह 95,516 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

वहीं, चांदी की कीमत भी आज 1,135 रुपए बढ़कर 97,654 रुपए पर पहुंच गई है। कल चांदी 96,519 रुपए किलो थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,680 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है। कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ऌवक्ऊ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 27 जून, 2025
www.adityabharat.com

भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर में भी होगी बारिश

मध्य प्रदेश के 15 जिलों में आज हैवी रेन का अलर्ट

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। कई जिले में भारी बारिश से नदी नाले उत्पन्न में। गुरुवार को भी 15 में जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है बालाघाट-अलीराजपुर में 24 घंटे में 8 इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं, 13 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इससे पहले बुधवार को प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। भोपाल में पुरानी बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि आकाशीय बिजली गिरने से टीकमगढ़ में 16 बकरियों की जान चली गई। सीहोर में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां आधी डूब गईं।

मानसून

आज इन जिलों में बारिश का अरेंज और यलो अलर्ट – गुरुवार को जिन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है, उनमें नीमच, मंदसौर, झाबुआ, धार, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सतना, मैहर, पन्ना, सिवनी और मंडला शामिल हैं। बालाघाट और अलीराजपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

आज इन जिलों में बारिश का अरेंज और यलो अलर्ट

गुरुवार को जिन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है, उनमें नीमच, मंदसौर, झाबुआ, धार, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सतना, मैहर, पन्ना, सिवनी और मंडला शामिल हैं। बालाघाट और अलीराजपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

सतना में सबसे ज्यादा 2.2 इंच हुई बारिश

बुधवार को प्रदेश के 26 जिलों में बारिश हुई। सतना में सबसे ज्यादा 2.2 इंच पानी गिर गया। छतरपुर के खजुराहो में 1.7 इंच, भोपाल में 1.4 इंच, खरगोन में 1 इंच, छतरपुर के नौगांव और सीधी में आधा इंच बारिश हुई।वहीं, दतिया, बैतूल, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, उमरिया, सीहोर, कटनी, टीकमगढ़, श्योपुर, शाजापुर, धार, डिंडोरी में भी बारिश का दौर जारी रहा। रात में कई जिलों में बारिश हुई।

प्रदेश के बीचों बीच से गुजर रही ट्रफ

मौसम विभाग के अनुसार, एक ट्रफ प्रदेश के बीचोंबीच से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले 4 दिन तक प्रदेश के कई जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मानसून एक्टिव होने के बाद तेज बारिश बता दें कि इस बार देश में मानसून 8 दिन पहले ही आ गया था। वहीं, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में यह तय समय से पहले पहुंच गया। ऐसे में अनुमान था कि मध्यप्रदेश में यह जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा रहा। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई। 13-14 जून को मानसून आगे बढ़ा। बावजूद यह प्रदेश में 1 दिन लेट हो गया।

शॉट न्यूज

भोपाल रेलवे स्टेशन पर मिलेगा शॉवर और रीक्लाइनर चेयर...

भोपाल। अक्सर यह देखा जाता है कि रेलवे स्टेशनों में यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खान-पान की सुविधा नहीं मिल पाती। लेकिन इस बात के दिन ढल गए हैं। भोपाल स्टेशन ने एक नई शुरुआत की है। यहां पर 50 रुपये से लेकर 200 रुपये तक में यात्रियों को खाने पीने से लेकर इंटरनेट और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी। अब रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने से पहले इंतजार थकानभरा नहीं होगा। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बने एग्जीक्यूटिव लाउंज का उद्घाटन किया है। यहीं पर यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रारंभ की गई हैं। दरअसल, भोपाल रेल मंडल ने आईआरसीटीसी और स्तुति इंटरप्राइजेस की साझेदारी से नई पहल शुरू की है। यहां पर लाउंज में लूडो, कैरम और सांप-सीढ़ी जैसे इंडोर गेम्स की व्यवस्था है।

बछड़े को बचाने कुएं में उतरे पांच की मौत

गुना। मध्य प्रदेश में गुना जिले के धरनावदा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना हुई। गाय के एक बछड़ा कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए एक-एक कर 6 लोग कुएं में उतर गए। इनमें से पांच की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को गांव वालों ने बचा लिया। हैरान करने वाली बात ये है कि मौके पर लोगों को निकालने के लिए पहुंची राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल (एसडीईआरएफ) भी खड़े होकर तमाशा देखती रही। घटना के बाद एसडीईआरएफ की लापरवाही को लेकर लोगों में गुस्सा है। कुएं में 5 लोग मर रहे थे और बचाने के लिए पहुंची एसडीईआरएफ की टीम बाहर खड़ी होकर तमाशा देख रही थी। एसडीईआरएफ की टीम जब रेस्क्यू के लिए घटना स्थल पर पहुंची तो टीम बचाव तो छोड़िये, कुएं में उतरी तक नहीं। उनके पास न तो ऑक्सीजन सिलेंडर थे और न ही कोई सुरक्षा के उपकरण।

'रानी दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं के त्याग को जनमानस तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य'

सीएम मोहन यादव बोले

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विरासत से विकास अभियान के अंतर्गत हम रानी दुर्गावती जैसे महानायकों की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। रानी दुर्गावती गोंडवाना की पराक्रमी रानी थीं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और नेतृत्व से इतिहास रचा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि रानी लक्ष्मीबाई को सुभद्राकुमारी चौहान जैसी महान कवयित्री मिल गईं, जिन्होंने 'ख़ूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी' जैसी कालजयी पंक्तियों के माध्यम से उनकी वीरता को अमर कर दिया। लेकिन रानी दुर्गावती को वैसा कवि-प्रकाश नहीं मिल पाया, जिसकी वे वास्तव में हकदार थीं। इसी कारण, उनके जीवन के कई प्रेरणादायक पहलू आज भी अंधकार में दबे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने जीवनकाल में 52 युद्ध लड़े, जिनमें से 51 में विजय प्राप्त की। उन्होंने न केवल अकबर जैसे शक्तिशाली मुगल सम्राट की सेना का सामना किया, बल्कि कई बार उसे परास्त भी किया। वह केवल एक योद्धा नहीं थीं, बल्कि कला, संस्कृति, और जनकल्याण के क्षेत्र में भी उनका योगदान अतुलनीय रहा। मुख्यमंत्री ने उनके अंतिम युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि जब 52वां युद्ध आया, तब रानी ने चेताया था कि रात में भी युद्ध के लिए तैयार रहो। लेकिन कुछ दरबारी चाटुकारों ने उन्हें यह कहकर रोक दिया कि 'आप तो साक्षात दुर्गा हैं, आप सब संभाल लेंगी।' रानी ने समझाया कि यह युद्ध सामान्य नहीं है, क्योंकि अकबर पहली बार तोपों का प्रयोग कर रहा है।

तोपों की गर्जना से रानी के हाथी और घोड़े बेकाबू हो गए। युद्ध में रानी को एक तीर आंख में और एक पेट में लगा। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी उन्होंने आत्मसमर्पण से इनकार किया। उन्होंने पहले ही अपने विश्वस्त सैनिक को एक खंजर सौंप दिया था और आदेश दिया था कि यदि युद्ध की दिशा विपरीत हो जाए तो उन्हें मुगलों के हाथ न लगने दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सैनिक ने खंजर चलाने से इनकार किया और रोते हुए उनके चरणों में गिर पड़ा, तब रानी दुर्गावती ने स्वाभिमान की मिसाल पेश करते हुए स्वयं अपने सीने में खंजर घोंपा और 'भारत माता की जय' कहते हुए वीरगति को प्राप्त हुईं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि आज रानी दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं के त्याग, शौर्य और बलिदान को जनमानस तक पहुंचाना हम सबका दायित्व है।

बैग लेकर चलती ट्रेन से कूदा युवक, मिली 34 लाख की चांदी

सतना। रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को बुधवार तड़के बड़ी सफलता मिली। उन्होंने महाकौशल एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री को पकड़ा। उसके पास से 30 किलो 618 ग्राम चांदी बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 34 लाख 88 हजार रुपए है। यात्री चलती ट्रेन से कूदकर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की और चांदी जब्त कर ली। 25 जून की सुबह लगभग 4:30 बजे, जीआरपी टीम प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चेकिंग कर रही थी। तभी उन्हें एक यात्री संदिग्ध हालत में दिखा। वह चलती ट्रेन से कूदकर प्लेटफॉर्म पर उतरा था। जीआरपी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे रोका और पूछताछ की। उसने अपना नाम पंकज सोनी बताया। वह गोविंद नगर, मथुरा (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है और उसकी उम्र 38 वर्ष है। पुलिस ने उसके दो बैगों की तलाशी ली। बैगों में भारी मात्रा में चांदी के आभूषण और धातु मिली। जब पुलिस ने उससे इन जेवरात के दस्तावेज मांगे, तो वह घबरा गया। पंकज सोनी माल के कोई भी वैध कागज नहीं दिखा पाया। पुलिस के अनुसार, बरामद चांदी का वजन 30 किलो 618 ग्राम है। बाजार में इसकी अनुमानित कीमत लगभग 34 लाख 88 हजार रुपए है। पुलिस आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि चांदी कहां से लाई जा रही थी और किसे दी जानी थी।

90 डिग्री वाले ऐशबाग पुल की जांच रिपोर्ट

गलती छिपाने जमीन की कमी को बनाया बहाना

संवाददाता ● भोपाल

मजाक का विषय बने 90 डिग्री मोड़ वाले ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज की जांच रिपोर्ट सरकार तक पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अब उस रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं। उसके बाद मामले में कोई कार्रवाई हो सकती है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह रिपोर्ट तक तैयार हो चुकी थी, लेकिन अधिकारियों ने इसे आगे नहीं बढ़ाया। अब आगे बढ़ाया गया है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में डिजाइन की गलती छिपाने के लिए जमीन की कमी का तर्क दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एक तरफ रेलवे लाइन और दूसरी तरफ मेट्रो रेल की जमीन होने की वजह से वहां लंबे घुमाव की जगह ही नहीं बन पाया।

रिपोर्ट

पुल से भारी वाहनों का गुजरना होगा मुश्किल – हालांकि इस बात पर जोर दिया गया है कि लोनिवि और रेलवे के अधिकारों में समन्वय बेहतर होता तो इसका समाधान समय रहते निकाला जा सकता था। इंजीनियरों ने इस बात का भी ध्यान नहीं रखा कि तीखे मोड़ की वजह से पुल से भारी वाहनों का गुजरना मुश्किल हो जाएगा। समिति ने इस मोड़ को अधिक घुमावदार बनाने का सुझाव दिया है। बताया जा रहा है कि इसके आधार पर विभाग एक तकनीकी प्रस्ताव तैयार कर रेलवे को सौंपेगा। अगर वहां से अतिरिक्त जमीन मिल गई तो मोड़ को सुधारा जाएगा। जमीन नहीं मिलने की स्थिति में सुरक्षा उपायों के साथ हल्के वाहनों के लिए पुल को खोलने का सुझाव भी है।

स्पीड 30 से 35 किमी रखने को कहा गया – इसमें वाहनों की गति 30-35 किमी प्रति घंटा रखने को कहा गया है। पुल की गलत डिजाइन की बात सामने आने के बाद लोनिवि मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर एक पांच सदस्यीय समिति का गठन हुआ था। समिति ने आरओबी की संपूर्ण संरचना और रेलवे साइट का बारीकी से निरीक्षण किया। एक-एक इंच की नाप जोख के बाद रिपोर्ट तैयार की।

भगवान भरोसे ट्रेन सुरक्षा, तीन दिन में तीसरी घटना

भोपाल से जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

संवाददाता ● भोपाल

भारतीय रेलवे की तेज गति वाली रेलगाड़ी में शुमार शताब्दी एक्सप्रेस की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। तीन दिन में तीसरी पर इसमें बड़ा हमला हुआ है। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन (12001) में फिर पथराव हुआ है। इस घटना से यात्रियों में दहशत भर गई। साथ ही रेलवे सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

घटना

भोपाल रेल मंडल के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार की शाम 6 से 6।30 के बीच बीना और झांसी के बीच ट्रेन पर हुए पथराव हुआ। इसके कारण C-6 कोच की खिड़की का ग्लास टूट गए। हालांकि किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची है, लेकिन ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई। शताब्दी एक्सप्रेस पर हुई पत्थरबाजी की घटना पर झांसी रेल मंडल के अधिकारियों ने कुछ भी कहने से मना कर दिया है। हालांकि रेल यात्रियों का कहना है कि लगातार हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं से अब ट्रेन में बैठने में डर लगने लगा है।

पहले भी हो चुकी है पथराव की घटना

गौरतलब है कि रविवार रात को भी ग्वालियर के बिरला नगर और रायरु स्टेशन के बीच शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव हुआ था। तब C-5 कोच की खिड़की टूट गई थी। घटना में गोविंदपुर निवासी रेलशिया श्रीवास्तव नाम की महिला यात्री बाल-बाल बच गई थीं। उस समय आरपीएफ की टीम ने मौके पर सर्चिंग की थी, लेकिन कोई आरोपी पकड़ में नहीं आया। रविवार के बाद दूसरी घटना मंगलवार के दिन हुई। जब विदिशा में इसी ट्रेन पर मंडी बामोरा स्टेशन के पास, बरेठ और कल्हार के बीच एक बार फिर पत्थर फेंके गए थे। इसमें C-4 कोच की खिड़की चटक गई थी। उस समय यात्रियों ने बताया था कि वे विंडो सीट पर बैठे थे, तभी एक जोर की आवाज के साथ खिड़की का कांच टूट गया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। ट्रेन स्टाफ ने कंट्रोल रुम और आरपीएफ जवान को जानकारी दी। बीना स्टेशन पर शिकायत दर्ज कराई गई। हालांकि बुधवार रात को हुए हमले के बाद आरपीएफ सक्रिय हो गई है।

'साहब पहाड़ से फिंकवा देगी पत्नी' पति ने एसपी को सुनाया दर्द, मांगी इच्छामृत्यु

संवाददाता ● शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतगर्त आने वाले पुरानी शिवपुरी निवासी शाकिर खान ने कलेक्टर को आवेदन देकर इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। शाकिर ने बताया कि उसकी पत्नी फरजाना काफी समय से उसे प्रताड़ित कर रही है और उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही है। कई बार शिकायत के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ है। इससे परेशान होकर वह दो बार आत्महत्या का प्रयास भी कर चुका है। अब शाकिर ने कलेक्टर को आवेदन देकर इच्छा मृत्यु की अनुमति की मांग की है। उसने अपनी जान को पत्नी से खतरा बताते हुए कहा कि पत्नी उसे नीले ड्रम में बंद करा सकती है या किसी सूनसान घाटी में जान से मरवा भी सकती है।

शिवपुरी शहर की महल सराय पुरानी शिवपुरी के रहने वाले पीड़ित युवक शाकिर पुत्र ईशाक खान ने कलेक्टर को आवेदन देते हुए बताया कि मेरी पत्नी फरजाना मेरे पास न रहकर मायके या किसी अन्य जगह पर रहती है। मैं उसे बुलाता हूं तो वह आती नहीं है और आए दिन दहेज एक्ट को लेकर फर्जी मामले में फंसाने की भी धमकी देती है। पत्नी के माता-पिता से बात की लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकाला। बल्कि ससुर व सास मुझे ही धमकी दे रहे हैं। शाकिर ने बताया कि मैं परेशान होकर जहर खाकर, हाथ की नस काट कर खुदकुशी का प्रयास कर चुका हूं, लेकिन मौत नहीं आई। इसलिए या तो मेरी सुनवाई हो, नहीं तो मेरी इच्छा मृत्यु की मांग को पूरा किया जाए। वैसे भी देशभर में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे पति अब संकट में हैं, जिनमें कोई पत्नी अपने पति को किसी न किसी तरीके से मरवा रही है। ऐसा ही किसी दिन उसके साथ भी हो सकता है। पीड़ित ने बताया कि मैं पुलिस थाने से लेकर एसपी ऑफिस तक में शिकायत कर चुका हूं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। आज आखिरी उम्मीद जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के पास शिकायत करने आया हूं। उसने कहा कि पुलिस या तो हमारे मामले में सुनवाई करके न्याय दिलाने की कोशिश करें, नहीं तो हमारी इच्छा मृत्यु की मांग को माने।

गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन होगा शुरू

एम्स में कैंसर मरीजों को जल्द मिलेगी दो बड़ी सुविधाएं

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी स्थित एम्स लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार कर रहा है। इसी कड़ी में अब यहां आने वाले कैंसर मरीजों के लिए दो बड़ी सुविधा शुरू होने जा रही है। जिनमें से प्रमुख है गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन जांच दोनों ही सुविधा जल्द शुरू हो सकती है। गामा नाइफ यूनिट में मस्तिष्क में पनप रहे कैंसर का त्वरित इलाज हो सकेगा। इस तकनीक से ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन कैंसर, ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया और एकोस्टिक न्यूरोमा जैसी बीमारियों का सटीक इलाज किया जा सकता है। वही पेट स्कैन शुरू होने से 20 हजार तक की महंगी जांच सरलता से हो पाएगी। बता दें कि पेट स्कैन जांच की सुविधा मध्यप्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध नहीं है।

सुविधाएं

जानकारी के लिए बता दें एम्स भोपाल में बन रही गामा नाइफ यूनिट की लागत लगभग 85 करोड रुपए आएगी। देश में अब तक सिर्फ चार संस्थानों में ही यह तकनीक है। गामा नाइफ से इन्फेक्शन रेडियस मात्र 0.01 फीसदी ही रह जाता है। यही नहीं इससे 0.1 एमएम के क्षेत्र में भी रेडिएशन दिया जा सकता है। इसमें ब्रेन की खून ले जाने वाली शिरा को छेड़े बिना सीधे ट्यूमर के डीएनए को नष्ट करता है। इस मशीन को इंस्टॉल करने के जरूरी बंकर अक्टूबर तक तैयार होंगे।

एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि गामा नाइफ एक अत्याधुनिक तकनीक है। केंद्र सरकार के उपक्रम हाइट्स द्वारा इसे खरीदा जा रहा है। बंकर का निर्माण भी सीपीडब्ल्यूडी कर रहा है। काम 50 फीसदी हो गया है। जानकारी के लिए बतादें कि गामा नाइफ के लिए रेडिएशन फ्री बंकर बनाने के लिए जिम्मेदारी सीपीडब्ल्यूडी को दी गई थी, लेकिन, काम की रफ्तार धीमी होने के कारण अब यह काम एचएलएल इंफ्रोटेक सर्विसेस लिमिटेड (एचआईटीईएस) यानी हाइट्स को दिया गया है। एजेंसी बदलने से काम पिछड़ गया।

फराह खान की सौतेली बहन 90s की रही थी बड़ी स्टार

हिट करियर के बाद अचानक छोड़ा बॉलीवुड

90 के दशक में कई फिल्मी सितारे ऐसे रहे, जिन्होंने अपने हुनर से रातोंरात शोहरत हासिल कर ली थी। इस मामले में हिंदी सिनेमा की फेमस फिल्ममेकर और डांस कोरियोग्राफ फराह खान की सौतेली बहन अभिनेत्री सबीहा का नाम भी शामिल होता है। एक वक्त हुआ करता था कि सबीहा बॉलीवुड की सबसे टैलेंट और खूबसूरत एक्ट्रेसेज में शुमार थीं। लेकिन करियर के पीक पर आकर उन्होंने अचानक से बॉलीवुड को छोड़ दिया है। अक्षय कुमार के संग फिल्म खिलाड़ी में नजर आने वाली सबीहा को भला कौन भूल सकता है। 90 के दशक में उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम करके शोहरत हासिल की थी। बतौर अभिनेत्री सबीहा ने सुपरस्टार राजेश खन्ना की फिल्म अनोखा रिश्ता से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। लेकिन करीब 30 साल पहले आई उनकी आखिरी फिल्म जय विक्रांता के बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा की डगर को छोड़ दिया और फिर एयर होस्टेस बनकर अपना नया करियर शुरू किया। ई टाइम्स के अनुसार सबीहा ने शादी नहीं की और वह मुंबई में अपनी मां की देखभाल करती हैं। सोशल मीडिया पर सबीहा एक्टिव नहीं हैं और वह लाइमलाइट से भी दूर रहती हैं। जिसकी वजह से उनकी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो भी मिलना मुश्किल है। लेकिन इस बात में कोई दोहराए नहीं है कि सबीहा एक समय पर बॉलीवुड की बेहद गॉर्जियस अभिनेत्री रही थीं।

करीना नहीं अभिषेक इस बंगाली बाला के साथ करने वाले थे Refugee से डेब्यू

अभिषेक बच्चन ने करीना कपूर खान के साथ साल 2000 में आई फिल्म रिफ्यूजी से डेब्यू किया था। जेपी दत्ता की इस फिल्म को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। इसमें सुनील शेट्टी भी थे। अब हाल ही में अभिनेता ने फिल्म को लेकर अपने पहले स्क्रीन टेस्ट के बारे में बात की। क्या आपको पता है कि जिस फिल्म में नाजनीन बनकर करीना कपूर ने अपनी मासूमियत से सभी का दिल जीता था उसके लिए किसी और एक्ट्रेस को कास्ट किया जाना था? इंडिया टुडे से खास बातचीत में अभिषेक ने रिफ्यूजी के लिए बिपाशा बसु के साथ अपने पहले स्क्रीन टेस्ट को याद किया। अभिनेता ने कहा, 'मैं ऑडिशन से डरता हूं क्योंकि मैं इसमें बहुत खराब हूं। एक अभिनेता के तौर पर हम बहुत सारे स्क्रीन टेस्ट देते हैं। हमने 'रिफ्यूजी' के लिए भी स्क्रीन टेस्ट दिया था। वास्तव में, मेरा पहला स्क्रीन टेस्ट बिपाशा के साथ था। वह तब एक मॉडल थीं। हम दोनों ने 'रिफ्यूजी' के लिए स्क्रीन टेस्ट दिया था।' उन्होंने आगे कहा,'यह सबसे बुरा है। मैं बहुत सचेत हो जाता हूं क्योंकि मैं ऐसा व्यक्ति हूं जिसे मैं निर्देशक का अभिनेता मानना पसंद करता हूं। इसलिए मैं वास्तव में उन नोट्स पर बहुत अधिक निर्भर करता हूं जो मेरे निर्देशक मुझे देते हैं। अभिषेक बच्चन की फिल्म 'कालीधर लापता' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार यह फिल्म तमिल फिल्म केडी जिसे करुप्पु दुरई के नाम से भी जाना जाता है की हिंदी रीमेक है।

गोविंदा का हॉलीवुड फिल्म अवतार ठुकराने का दावा झूठ!

पॉपुलर एक्टर गोविंदा ने दावा किया था कि उन्हें जेम्स कैमरून की हॉलीवुड फिल्म अवतार ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने फिल्म ये कहते हुए ठुकरा दी कि वो शरीर को नीला पेंट नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा था कि फिल्म का टाइटल अवतार भी उन्होंने ही जेम्स कैमरून को दिया था। हालांकि अब गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने उनके इस दावे पर न सिर्फ सवाल उठाया है, बल्कि इसका जमकर मजाक भी उड़ाया है। हाल ही में सुनीता आहूजा ने उर्फी जावेद को इंटरव्यू दिया है। बातचीत के बीच उर्फी जावेद ने उनसे कहा, 'गोविंदा जी का एक मीम बहुत वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अवतार (हॉलीवुड फिल्म) मुझे ऑफर हुई थी।' इस पर सुनीता ने कहा है, 'अरे यार, मुझे तो नहीं पता ये कब ऑफर हुई थी। 40 साल तो मुझे ही हो गए गोविंदा के साथ। वो अवतार का डायरेक्टर- प्रोड्यूसर कब आया, मुझे नहीं मालूम।' जब उर्फी ने कहा, 'अगर इतनी बड़ी मूवी ऑफर हुई है, तो गोविंदा जी ने क्यों मना कर दिया। इस पर सुनीता ने कहा, हुई भी है कि नहीं, मुझे नहीं पता न। मैं झूठ नहीं बोलती।' गोविंदा ने आप की अदालत में अवतार ठुकराने की बात की थी। इसके अलावा हाल ही में मुकेश खन्ना को दिए इंटरव्यू में गोविंदा ने बताया था कि उन्होंने एक सरदार जी को बिजनेस आइडिया दिया था। जब वो आइडिया चल निकला तो सरदार जी ने गोविंदा की मुलाकात हॉलीवुड डायरेक्टर जेम्स कैमरून से करवाई थी। गोविंदा ने मुकेश खन्ना को कहा, 'मैं 21 करोड़ 50 लाख रुपए छोड़ चुका हूं। याद इसलिए है क्योंकि छोड़ते समय बहुत तकलीफ हुई थी।

हर चीज में पॉलिटिक्स... बोलीं लक्ष्मी कहा -भारत को डर क्यों?

बीते दिनों दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इसको लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल इस फिल्म में नीरू बाजवा और पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आएंगी। वह पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी आर्टिस्ट पर लगे बैन के बाद से पूरा देश आक्रोश में है। अब इस मामले में तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने अपनी राय रखी है। लक्ष्मी ने भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों के बीच भारत में पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत में पाकिस्तानी सितारों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी प्रतिबंधित होने के साथ, लक्ष्मी ने दोनों देशों के बीच एकता की अपील की, भारत की गर्मजोशी की कमी पर सवाल उठाया और पूछा कि अभिनेता राष्ट्र के लिए खतरा कैसे हो सकते हैं? लक्ष्मी ने कहा,'कला का राजनीतिकरण मत करो। उन लोगों पर कार्रवाई करो जो परेशानी पैदा कर रहे हैं। आप हर किसी पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगा सकते और ना नहीं कह सकते। हमारा विकास कहां है? हमारी गर्मजोशी कहां है? भारतीयों के तौर पर हमने इन सभी लोगों का खुले दिल से स्वागत किया है।' उन्होंने कहा, 'अब हमारा दिल कहां है? वे एक अभिनेता के पीछे क्यों पड़े हैं? वे भारत के लिए क्या खतरा हैं, और उनके इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाना? जैसे आप कितने असुरक्षित हैं?' अभिनेत्री ने कहा कि फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने के बजाय लोगों को साझा आधार तलाशने और एक साथ दुश्मन से लड़ने के लिए एकजुट होने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। लक्ष्मी ने कहा कि जब बात कलाकारों की आती है तो उन्हें दुख होता है, क्योंकि हर कोई सिर्फ फिल्में कर रहा है, जबकि मनोरंजन करने वालों का काम समाज को आईना दिखाना और यह दर्शाना है कि वास्तव में क्या चल रहा है।

शाहरुख के इस गाने के जबरा फैन हैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

बताया-अंतरिक्ष में गुनगुनाएंगे कौन सा गाना

बॉलीवुड में कई गाने ऐसे बनते हैं, जिन्हें सुनकर सिर्फ कानों को सुकून ही नहीं मिलता है, बल्कि उन्हें सुनने के बाद अंदर एक अलग सा जोश पैदा हो जाता है। फिल्मी फैन हो या आम इंसान म्यूजिक से हर इंसान जुड़ा है। अंतरिक्ष में अपनी यात्रा के लिए निकल चुके लखनऊ के निवासी शुभांशु शुक्ला ने भी लंबी यात्रा से पहले अपनी गानों की पूरी लिस्ट तैयार कर ली थी। उन्होंने बताया कि शाह रुख खान का एक गाना ऐसा है, जो उन्हें बेहद पसंद है और जिसे वह अंतरिक्ष में जाकर भी सुना करेंगे, कौन सा है वह गाना, चलिए जानते हैंः अंतरिक्ष के सफर पर रवाना हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अभिनेता शाह रुख खान की फिल्म 'स्वदेश' का गीत 'यूं ही चला चल रही, कितनी हसीं है ये दुनिया..' काफी पसंद है और वह इसे अंतरिक्ष में भी सुनेंगे। फाल्कन-9 राकेट के प्रक्षेपित होने से पहले अंतरिक्ष यात्रियों ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दिन के लिए अपनी विशेष रूप से तैयार की गई गीतों की सूची सार्वजनिक की। शुक्ला की संगीत सूची में निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की शाह रुख खान अभिनीत फिल्म का यह गीत शामिल था, जो संयोगवश नासा के एक विज्ञानी के इर्द-गिर्द केंद्रित है। इस गीत को जावेद अख्तर ने लिखा है जबकि एआर रहमान ने इसका संगीत दिया है। कैलाश खेर, हरिहरन और उदित नारायण जैसे लोकप्रिय गायकों ने इसे अपनी आवाज दी है। प्ले लिस्ट में बाकी अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा तैयार किए गए ट्रैक भी शामिल हैं। कमांडर पैगी व्हिटसन (अमेरिका) ने इमेजिन ड्रैगन्स का ''थंडर'' चुना है।

जिस सुपरस्टार ने कराया सोनाक्षी सिन्हा का डेब्यू

उन्ही ने मिलाया सच्चा प्यार, बताया कैसे शुरू हुई थी लवस्टोरी

बॉलीवुड की 49 से ज्यादा फिल्मों और सीरीज में काम कर चुकी सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में अपनी शादी का 1 साल पूरा कर लिया है। बीते साल 23 जून को हुई सोनाक्षी की शादी का जश्न आज भी जारी है और एक्ट्रेस अक्सर ही अपने पति के साथ घूमती हुई नजर आती हैं। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने ये भी बताया कि उनकी अपने पति जहीर इकबाल से कहां मुलाकात हुई थी। इतना ही नहीं सोनाक्षी ने ये भी खुलासा किया कि जिस सुपरस्टार ने उनकी फिल्मों में एंट्री कराई थी उसी ने ही सच्चे प्यार से मिलाया। ये सुपरस्टार कोई और नहीं बल्कि सलमान खान हैं। सोनाक्षी ने यहां तक कह दिया कि उनके प्यार के सूत्रधार भी सलमान खान हैं। साल 2010 में आई फिल्म 'दबंग' में सलमान खान के साथ फिल्म में डेब्यू करने वाली सोनाक्षी की पहली ही फिल्म सुपरहिट रही थी। इस फिल्म के हिट होते ही सोनाक्षी का करियर भी चढ़ने लगा। इसके बाद सोनाक्षी ने 2012 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म राउड़ी राठौड़ की और एक हिट हीरोइन के तौर पर स्टेब्लिश हो गईं। इसके बाद सोनाक्षी का करियर चल निकला और एक टॉप हीरोइन बन गईं। बीते साल 23 जून को सोनाक्षी सिन्हा शादी के बंधन में बंध गई थीं। बीते 2 दिन पहले सोनाक्षी ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में अपने पति से मुलाकात के दिलचस्प किस्से सुनाए हैं। सोनाक्षी ने अपने प्यार का सूत्रधार भी सलमान खान को ही बताया है। सोनाक्षी बताती हैं, 'मैं और जहीर दोनों ही सलमान खान के घर पर ही पार्टी में मिले थे। सलमान भी जहीर को काफी पसंद करते हैं। यहीं पर हमारी मुलाकात हुई तो इस हिसाब से हमारी लवस्टोरी के सूत्रधार वही हैं।' बता दें कि 2010 में शुरू हुई सोनाक्षी सिन्हा की एक्टिंग जर्नी बीते 15 साल से जारी है और अब तक 49 से ज्यादा फिल्मों, सीरीज और म्यूजिक वीडियोज कर चुकी हैं। सोनाक्षी की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रहीं। सलमान खान के साथ डेब्यू और फिर दूसरी ही फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुपरहिट जोड़ी रही। सोनाक्षी ने 2012 में ही अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार' में भी काम किया और बॉक्स ऑफिस पर खूब गर्दा उड़ाया। फिल्मों के साथ सोनाक्षी ने बीते दिनों 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में भी अहम किरदार निभाया और खूब सुर्खियां बटोरीं। अब सोनाक्षी इन दिनों अपनी 4 अपकमिंग फिल्मों में व्यस्त हैं। ये फिल्में जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं।

मुंह पर क्या कर लिया... उर्मीला का बदला हुआ रूप देखकर हैरान रह गए फैंस

उर्मिला मातोंडकर 90 के दशक की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। उर्मीला ने एक समय अपनी आदाकारी से सिल्वर स्क्रीन पर राज किया। भले ही अभिनेत्री लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी ताजा तस्वीरें शेयर की जिसकी वजह से वो फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। इसकी वजह ये है कि अभिनेत्री बहुत ही अलग लग रही हैं और लोग उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं। इन तस्वीरों में उर्मिला बहुत ही पतली और काफी यंग दिख रही हैं। कोई नहीं कह सकता कि वह 51 साल की हैं। हालांकि, नेटिजन्स को लगता है कि या तो उर्मिला ने तस्वीरों के लिए AI तकनीक का इस्तेमाल किया है, या उन्होंने वजन कम करने के लिए ओज़ेम्पिक का इस्तेमाल किया है, या फिर सर्जरी करवाई है। यूजर्स इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की, 'या तो यह उनके चेहरे पर किया गया 10 जीबी AI का काम है या 10 किलो ओज़ेम्बिक। एक और नेचुरल ब्यूटी आर्टिफिशियल शो ऑफ की भेंट चढ़ गई। एक अन्य इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'उन्होंने अपने चेहरे पर क्या कर लिया है????' एक और प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'आप अपनी तरह नहीं दिखतीं... आपने अपने चेहरे पर इन सर्जरी के पीछे अपना प्राकृतिक आकर्षण खो दिया है, पुराने दिनों में आप जो थीं, उसके लिए आपसे प्यार करता था।' उर्मिला रंगीला, जुदाई, सत्या, छोटा चेतन, कौन, खूबसूरत, प्यार तूने क्या किया, भूत और अन्य जैसी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रही हैं। मुख्य भूमिका में उनकी आखिरी हिंदी फिल्म 2008 में रिलीज हुई EMI थी। उन्होंने 2018 में रिलीज़ हुई ब्लैकमेल में एक गाने के साथ वापसी की थी। साल 2022 में, उन्हें डांस रियलिटी शो, DID सुपर मॉम्स में जज के रूप में देखा गया।

हार्दिक संग रिश्ते पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ रिश्ते को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि दोनों कुछ समय के लिए एक-दूसरे से बातचीत कर रहे थे, लेकिन वह रिश्ता कभी डेटिंग तक नहीं पहुंचा। ईशा ने सिद्धार्थ कन्नन ने कहा, 'हां, कुछ समय तक हमारी बातचीत हुई थी। मैं इसे डेटिंग नहीं कहूंगी, लेकिन हम कुछ महीनों तक बात कर रहे थे। हम उस स्टेज पर थे जहां लगता था शायद कुछ हो जाए, शायद नहीं। ये बातचीत डेटिंग स्टेज तक पहुंचने से पहले ही खत्म हो गई। हम एक या दो बार ही मिले थे।' जब ईशा से पूछा गया कि क्या उनके बीच कपल बनने की संभावना थी, तो उन्होंने कहा, 'शायद हो सकता था, लेकिन लगता है कि ऐसा होना नहीं था। उस समय हार्दिक पहले से ही टीवी पर कुछ बयान देकर विवादों में थे और तब तक हमारी बातचीत भी बंद हो चुकी थी। ईशा ने 'कॉफी विद करण' के उस एपिसोड का भी जिक्र किया जिसमें हार्दिक पांड्या और केएल राहुल साथ आए थे। इस एपिसोड में हार्दिक के बयानों पर विवाद हुआ था। उन्होंने कहा, 'मैं उस समय तक खुद को काफी मजबूत बना चुकी थी। जब एपिसोड आया तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। वैसे भी वे लोग पहले ही बहुत कुछ झेल रहे थे, अगर मैं और कुछ बोलती तो क्या फायदा होता? बातचीत कैसे खत्म हुई, इस पर ईशा ने कहा, 'जब वो एपिसोड आया, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। हमें लगा कि हम एक जैसे नहीं हैं। सबका एक टाइप होता है।

लीड्स में हार के बाद भारत को एक और झटका, डराने आ गया इंग्लैंड टीम में जसप्रीत बुमराह जैसा खतरनाक बॉलर

एजेंसी ● नई दिल्ली

लीड्स टेस्ट में मिली जीत के बाद इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अपनी टीम का ऐलान कर दिया। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेली जाएगी। इस मैच के लिए इंग्लैंड की टीम ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। जोफ्रा आर्चर लंबे समय से बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में समाप्त हुए इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर चोटिल हो गए थे। इसके बाद चोट से उबरते हुए उन्होंने काउंटी में वापसी की और अब उन्हें इंग्लैंड के स्क्वाड में शामिल किया गया है।

जोफ्रा आर्चर आखिरी फरवरी 2021 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होने वाले मैच में एक्शन में दिखेंगे। आर्चर ने हाल ही में ससेक्स के लिए डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप के पिछले दौर में लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी की थी। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी टेस्ट मैच भी 2021 में भारत के खिलाफ ही था, जिसके बाद वह पीठ के स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई चोटों से जूझते रहे। इन चोटों ने उन्हें 2024 तक रुक-रुक कर खेल से दूर रखा, जिसके बाद उन्होंने पिछले साल मई में सफेद गेंद के क्रिकेट में वापसी की। इंग्लैंड की बाकी टीम वही है जो लीड्स में सीरीज के शुरूआती मैच से पहले घोषित की गई थी, जिसे मेजबानों ने पांच विकेट से जीता था। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी 2025 के अंतिम तीन टेस्ट लॉर्ड्स (10-14 जुलाई), मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड (23-27 जुलाई) और द ओवल (31 जुलाई - 4 अगस्त) में खेले जाएंगे। बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टोंग, क्रिस वोक्स।

लीड्स में भारत की हार के कारणों का अश्विन ने किया 'पोस्टमार्टम', पंत के शतक से भी खुश नहीं पूर्व दिग्गज!

एजेंसी ● नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लीड्स में पांच विकेट से हार का विस्तृत विश्लेषण किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को अधिक समय बल्लेबाजी करने पर ध्यान देना चाहिए और ऋषभ पंत को मौजूदा टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के ह्यऔसतह्व आक्रमण के खिलाफ अपने शतकों को दोहरे शतकों में बदलना चाहिए। भारत ने दोनों पारियों में पांच शतक जड़े लेकिन इंग्लैंड ने 371 रन के अपने दूसरे सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करके सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ह्यऐश की बात पर कहा, एक चीज जिस पर भारतीय टीम की बल्लेबाजी ध्यान दे सकती है, वह यह है कि क्या आप हर पारी में बल्लेबाजी का समय बढ़ा सकते है, रनों के हिसाब से नहीं। इंग्लैंड के फील्डिंग के समय को बढ़ाएं और उन्हें मैदान पर रखने के समय को भी बढ़ाएं।' उन्होंने कहा, 'मैं एक बात कहूंगा, घबराएं नहीं और बहुत अधिक बदलाव नहीं करें। भारत अगले टेस्ट में सीरीज बराबरी कर सकता है, लेकिन अगर हम इंग्लैंड की रणनीति को नहीं समझते हैं तो यह सीरीज बहुत जल्दी हमारे से दूर जा सकती है।'

अश्विन ने कहा कि चौथे दिन जल्दी आउट होने के बाद मैच भारत के हाथ से फिसल गया। उन्होंने कहा,

'जब आपने पांचवें दिन तक बल्लेबाजी जारी नहीं रखी तो खेल खत्म हो गया। इंग्लैंड की इस टीम ने खुलकर यह प्रचार किया है कि वे लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसे हासिल करने के लिए जाएंगे। इसलिए एक बल्लेबाजी क्रम के तौर पर हमें यह ध्यान में रखना होगा कि हमें उन्हें कम समय देना है लेकिन बड़ा लक्ष्य देना है।ह्लपंत के मैच में दो शतक की प्रशंसा करते हुए अश्विन ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी से उनकी तुलना करना उचित नहीं है क्योंकि धोनी ने कभी भी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा, 'ऋषभ पंत की तुलना विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों से की जानी चाहिए...वह एक मुख्य बल्लेबाज है क्योंकि उनके पास बहुत समय है। अश्विन ने पंत की गेंद को चुनकर मारने की क्षमता की तुलना पाकिस्तान के महान बल्लेबाज इंजमाम-उल-हक से की।

ऋषभ पंत के पास बाकी बल्लेबाजों से बेहतर क्षमता

उन्होंने कहा, ह्यकुछ विशेष बल्लेबाजों में गेंद को जल्दी से जल्दी चुनने की क्षमता होती है। वे लाइन को जल्दी से पहचान लेते हैं, लेंथ को जल्दी से पहचान लेते हैं और वे शानदार पोजीशन में आ जाते हैं। ऋषभ पंत उन दुर्लभ खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके पास यह विशेष कौशल है।ह्ल पंत के मैच में दो शतक को एक दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए अश्विन ने सुझाव दिया कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यबल्लेबाज के तौर पर ऋषभ ने शानदार खेल दिखाया है। लेकिन मैं दोहराना चाहूंगा कि ऋषभ का डिफेंस बहुत बढ़िया है। किताब में ऐसा कोई शॉट नहीं है जिसे वह नहीं खेल सकता, क्या मैं आपसे अनुरोध कर सकता हूं कि अगली बार जब आप 130 पर बल्लेबाजी कर रहे हों तो दोहरा शतक बनाएं।ह्लअश्विन पंत से यह भी अनुरोध किया कि वे टेस्ट मैच में फ्रंट फ्लिप करने से भी बचें। उन्होंने कहा, ह्यमेरा केवल एक अनुरोध है, कृपया फ्रंट फ्लिप नहीं करें। टेस्ट मैच में आपका शरीर थक जाता है, यह आईपीएल की तरह नहीं है जहां आपको 50-60 से अधिक गेंद खेलने को नहीं मिलती। वह भारतीय क्रम में शीर्ष बल्लेबाज हैं इसलिए उन्हें कुछ साबित नहीं करना।ह्ल अश्विन ने दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करने की वकालत की।

गेंदबाजों की गलती पर ही नहीं, अब फील्डरों की इस हरकत भी दिया जाएगा नो बॉल

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी खेल के नियम में कई बड़े बदलाव का ऐलान किया है। इस बदलाव में कैच से लेकर डीआरएस के नियम शामिल है। इसके साथ टेस्ट मैचों में गेंद बदलने को लेकर भी नए नियम तय किए हैं। हालांकि, इस नए नियम में सबसे ज्यादा अहम कैच को लेकर। अगर कैच लेने के दौरान फील्डर अंपायर पर किसी तरह का दबाव डालता है उससे टीम को भारी नुकसान हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं क्या है ये कैच का नया नियम।

बता दें दिन आईसीसी के नए नियम को आगामी 2 जुलाई से लागू किया जाएगा। बदले हुए नए नियम में कैच को लेकर काफी चर्चा हो रही है। खास तौर से उन कैचों को लेकर नियम में बदलाव किया गया जो पूरी तरह से साफ नहीं होता है। यानी क्लीन कैच नहीं लिया जाता है। इस तरह के कैचों में अब अंपायर का पूरा अधिकार है कि वह क्या निर्णय ले रहे हैं। इस तरह के कैच पर अगर किसी तरह की बहस की जाती है तो। ऐसी स्थिति में अंपायर के पास यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक से निर्णय लें।नए नियम के मुताबिक कैच के फैसले को लेकर अब तीसरे अंपायर की भूमिका और ज्यादा बढ़ गई है। उदाहरण के तौर पर मैदानी अंपायरों को अगर पता नहीं है कि कैच सही लिया गया है या नहीं, लेकिन टीवी अंपायर बताता है कि ये नो बॉल थी तो पहले, नो-बॉल सिग्नल होने पर कैच की निष्पक्षता की जांच नहीं होती थी। इसके अलावा यदि कोई कैच स्पष्ट नहीं है और फील्डर जानबूझकर उसे आउट होने का दावा करते हैं, जबकि उन्हें पता है कि यह साफ कैच नहीं है तो अंपायर इसे 'नो-बॉल' करार दिया जाएगा। हालांकि, अब नए नियमों के मुताबिक तीसरे अंपायर की कैच को लेकर भूमिका और ज्यादा बढ़ गई है।अगर कैच सही है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक एक्स्ट्रा रन मिलेगा, लेकिन कैच सही नहीं है तो बल्लेबाजों की ओर से बनाए गए रन बल्लेबाजी टीम को मिलेंगे। ऐसे में अब नो बॉल पर कैच की निष्पक्षता और ज्यादा बढ़ गई है।

वेस्टइंडीज के साथ घर में चीटिंग... साफ कैच पर दिया नॉट आउट, ट्रेविस हेड को अंपायर ने बचाया

बारबाडोस: बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन एक विवादास्पद फैसला हुआ। तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के एक फैसले ने शमार जोसेफ को पांच विकेट लेने से रोक दिया। वेस्टइंडीज के फील्डरों ने भी कई कैच छोड़े। जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया था। ट्रेविस हेड के खिलाफ

एक अपील पर अंपायर नितिन मेनन ने उन्हें आउट नहीं दिया, लेकिन तीसरे अंपायर ने भी बल्लेबाज के पक्ष में फैसला सुनाया। बाद में, जोसेफ के साथी जेयडन सील्स ने पांच विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 180 रनों पर सिमट गई। जवाब में वेस्टइंडीज ने दिन का खेल खत्म होने तक 57 रन पर 4 विकेट खो दिए। शमार जोसेफ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन शानदार गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने ट्रेविस हेड को एक गेंद फेंकी। गेंद बल्ले से लगी या नहीं, इस पर विवाद हो गया। अंपायर नितिन मेनन को लगा कि हेड ने गेंद को छुआ है। इसलिए उन्होंने तीसरे अंपायर से मदद मांगी। तकनीक ने दिखाया कि गेंद हेड के बल्ले से लगी थी। लेकिन क्या गेंद सीधे विकेटकीपर शे होप के हाथों में गई थी, यह स्पष्ट नहीं था। एक रिप्ले में दिखा कि गेंद जमीन पर लगकर गई थी। दूसरा रिप्ले साफ नहीं था।तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने काफी समय लिया। फिर उन्होंने हेड को आउट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनके पास यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि गेंद सीधे होप के हाथों में गई थी।सोशल मीडिया पर कई लोगों ने तीसरे अंपायर होल्डस्टॉक की आलोचना की। उनका कहना था कि उन्होंने जोसेफ को पांच विकेट लेने से रोक दिया। ट्रेविस हेड को जीवनदान मिला, लेकिन वे ज्यादा रन नहीं बना सके। वे 59 रन बनाकर आउट हो गए। जोसेफ पांच विकेट तो नहीं ले पाए, लेकिन उनके साथी जेयडन सील्स ने यह कारनामा कर दिखाया।

...तो लौटकर नहीं आऊंगा, जॉन सीना ने एक झटके में तोड़ा करोड़ों फैंस का दिल

नई दिल्ली: डब्ल्यूडब्ल्यूई के मशहूर रेसलर जॉन सीना अब रिंग को अलविदा कहने वाले हैं। 48 साल के जॉन सीना ने साफ कह दिया है कि दिसंबर में होने वाला उनका फेयरवेल टूर आखिरी होगा। इसके बाद वो कभी भी डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में नहीं दिखेंगे। उन्होंने गुड मॉर्निंग अमेरिका शो में ये बात कही। माइकल स्ट्रहान के साथ बातचीत में उन्होंने ये जानकारी दी। जॉन सीना अब एक्टिंग में भी अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो अपने फैंस से किया वादा निभाना चाहते हैं, जिन्होंने उन्हें इतना प्यार दिया है।

जॉन सीना ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनके रिटायरमेंट टूर के बाद वापसी का कोई चांस नहीं है। उन्होंने कहा, 'कोई चांस नहीं है। मैं कुछ भी पक्का नहीं कहना चाहता, क्योंकि मैं कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहता। लेकिन मैंने उन फैंस से वादा किया है, जिन्होंने मुझे 25 साल तक यहां रहने दिया।'जॉन सीना अपनी नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट को प्रमोट करने के लिए शो में आए थे। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस ने ही उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। 48 साल के जॉन सीना ने कहा कि वो अभी भी प्रो रेसलिंग टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। लेकिन उन्हें लगता है कि अब उन्हें पीछे हट जाना चाहिए और युवा रेसलरों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए।जॉन सीना ने अपने रिटायरमेंट टूर के बारे में बात करते हुए कहा कि वो कुछ ऐसा करना चाहते थे जो पहले कभी नहीं हुआ। यही वजह थी कि उन्होंने पिछले साल रिटायरमेंट का ऐलान किया था। जॉन सीना ने सबसे पहले जुलाई 2024 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के मनी इन द बैंक इवेंट में अचानक आकर 2025 के अंत में रिटायर होने की बात कही थी। उनके इस ऐलान पर फैंस ने उन्हें खूब बू किया था। जॉन सीना ने जब से ये बात कही है कि वह संन्यास के बाद फिर वापस लोट कर नहीं आएंगे, करोड़ों फैंस का दिल टूट गया है।

शर्मनाक मोमेंट! बिना 'अंडरवियर' पहने दौड़ता रहा अमेरिकी एथलीट

नई दिल्ली: ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक इवेंट (मेट्स्की स्टेडियम में) के दौरान उस वक्त एक शर्मनाक मोमेंट टीवी पर लाइव चलता रहा जब हर्डलर (बाधा दौड़ के रेसर) क्रिस रॉबिन्सन के साथ बड़ा हादसा हुआ। किट में गड़बड़ी के कारण रेस के दौरान बार-बार उनका प्राइवेट पार्ट पैंट से बाहर निकलता रहा। 24 वर्षीय रेसर 400 मीटर की रेस में 250 मीटर शेष रहते हुए अपने निजी अंगों के अप्रत्याशित रूप से दिखने के बावजूद दौड़ में जीत हासिल की। रेस की लाइव स्ट्रीमिंग हो रही थी और क्रिस रेस में सबसे आगे थे तो कैमरा उन्हीं पर लगातार फोकस रहा। अब इस मोमेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल (वीडियो हम नहीं दिखा सकते) हो रहा है और लोगों की कड़ी प्रतिक्रिया आ रही है। ढेरों लोग उनका मजाक भी बना रहे हैं।

दरअसल, 200 मीटर स्प्रिंट सनसनी गाउट गाउट अपनी उल्लेखनीय गति के कारण ओस्ट्रावा में धूम मचा रहे थे, वहीं साथी ट्रैक स्टार रॉबिन्सन ने 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता के दौरान किट में खराबी के बाद अनजाने में सुर्खियां बटोरीं। मई में विश्व एथलेटिक्स रिले में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद 4x400 मीटर बाधा दौड़ के विश्व चैंपियन अमेरिकी एथलीट ने मंगलवार को चेकिया में हुए इवेंट में हिस्सा लिया। रॉबिन्सन ने शानदार शुरूआत की और बैक स्ट्रेट पर अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त बनाना शुरू किया, तभी उनके गुप्तांगों ने ध्यान भटकाना शुरू कर दिया।पूरी दौड़ के दौरान 24 वर्षीय को समस्या को ठीक करने के प्रयास में बार-बार अपने शॉर्ट्स को एडजस्ट करते देखा गया, जबकि उन्होंने अपनी प्रतिस्पर्धी गति बनाए रखी। आखिरी हर्डल से टकराने और दौड़ के आखिरी कुछ मीटर में भी अपने शॉर्ट्स को एडजस्ट करना जारी रखने के बावजूद रॉबिन्सन ने 48.05 के प्रभावशाली समय के साथ इस इवेंट में जीत हासिल की। फिनिश लाइन पार करने के बाद रॉबिन्सन जमीन पर लेट गए, अपने प्रतिस्पर्धियों पर शर्मनाक निगाह डाली, यह जानते हुए कि उनकी दौड़ एक दुर्भाग्यपूर्ण वार्डरोब मालफंक्शन की वजह से सुर्खियों में आ जाएगी।इस पूरे इवेंट के दौरान लाइव स्ट्रीमिंग में सबकुछ दुनियाभर में लाइव किया गया।

फीफा क्लब विश्व कप 2025:

सिएटल में इंटर मिलान और रिवर प्लेट के बीच क्लब विश्व कप ग्रुप ई फुटबॉल मैच के बाद रिवर प्लेट के प्रशंसक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए।

राजस्थान रॉयल्स में फिर से बवाल, शिल्पा शेट्टी के पति और टीम के मौजूदा मालिक के बीच घमासान

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर से विवादों में है। यह विवाद टीम के मालिक मनोज बडाले और पूर्व सह-मालिक राज कुंद्रा के बीच है। बडाले ने कुंद्रा पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कुंद्रा ने धमकी दी है कि वह भारतीय अधिकारियों को शिकायत करेंगे। कुंद्रा पर यह भी आरोप है कि उन्होंने बडाले से धोखे से उनकी हिस्सेदारी छीन ली। बडाले के वकील का कहना है कि यह 2019 के समझौते का उल्लंघन है। वहीं, कुंद्रा का कहना है कि उनके पास बडाले के बारे में जानकारी है और अगर यह सच नहीं है, तो वह इसे सामने लाएंगे।

राज कुंद्रा पर 2015 में आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने का आरोप लगा था। इसके चलते राजस्थान को दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस घोटाले ने पूरे देश को हिला दिया था। दोषी पाए जाने के बाद कुंद्रा को अपनी 11.7 प्रतिशत हिस्सेदारी छोड़नी पड़ी थी। बडाले के वकील ने अदालत में कहा कि कुंद्रा ने पिछले महीने अपने नियोक्ता को अचानक ईमेल किया। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें 'गुमराह किया गया और मेरी 11.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के सही मूल्य से वंचित किया गया।'ईमेल में यह भी लिखा था कि कुंद्रा ने भारतीय अधिकारियों से शिकायत की है। उन्होंने इउउकको रिपोर्ट करने की भी बात कही, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह एक समझौता करने को तैयार हैं। इसके तहत वह 'मेरी मूल इक्विटी की बहाली या राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के सही और वर्तमान मूल्यांकन को दशार्ते हुए मुआवजा चाहते हैं।' बडाले के वकील ने यह भी बताया कि कुंद्रा ने आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी को मैसेज किया था। इसमें उन्होंने लिखा था कि बडाले को यह नहीं पता कि मुझे सही मूल्य से धोखा देना उन्हें कितना महंगा पड़ेगा। बडाले की कंपनी इमर्जिंग मीडिया वेंचर्स के पास राजस्थान की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मुंबई में खतरनाक लहरों के बीच जिंदगी का संघर्ष

मानसून मौसम के बीच इस सप्ताह अरब सागर में हाई-टाइड का अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में उच्च ज्वार के समय इमारतों के बीच लहरें उठती हैं।

शॉर्ट न्यूज

नीदरलैंड्स में यूक्रेनी राष्ट्रपति से मिले अमेरिकी राष्ट्रपति

हेग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कल यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से करीब 50 मिनट तक बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से वास्तविक शांति और यूक्रेनी जनता की सुरक्षा पर चर्चा की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने हथियारों की सप्लाई, ड्रोन बनाने और रूस के खिलाफ प्रतिबंध पर बात की। ट्रम्प ने कहा कि वे जल्द ही पुतिन से युद्ध खत्म करने की बात करेंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि रूस अभी युद्धविराम के मूड में नहीं है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन अगले हफ्ते ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स समिट में नहीं जाएंगे। आईसीसी ने 2023 में जबरदस्ती यूक्रेनी बच्चों को रूस ले जाने के वॉर क्राइम के आरोप में पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है, लेकिन पुतिन आईसीसी सदस्य देशों में गिरफ्तारी के डर से जाने से सावधानी बरतते हैं।

कर्नाटक में 15 दवाओं के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने पैरासिटामोल (पोमोल-650) और ओ शांति गोल्ड क्लास कुमकुम समेत 15 दवाओं और उत्पादों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने इन सभी दवाओं के प्रोडक्शन भारी असुरक्षा पाई है, जिसके बाद 15 दवाओं पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है और अगले आदेश तक इन असुरक्षित दवाओं और उत्पादों का इस्तेमाल या वितरण न करने का निर्देश दिया है। इस बारे में राज्य खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक सरकुर्लर भी जारी किया है, जिसमें बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने मई महीने में कई फार्मास्यूटिकल एवं कॉस्मेटिक उत्पादों के सैंपल एकत्र किए गए थे। सरकुर्लर में कहा गया है कि जांच के दौरान इन दवाइओं और प्रोडक्ट के सैंपल में भारी असुरक्षा मिली है।

नाटो समिट में हुआ फैसला

यूरोपीय देश अपना रक्षा खर्च जीडीपी का 5% तक बढ़ाएंगे

हेग ● एजेंसी

यूरोपियन देश अगले 10 साल में अपना रक्षा खर्च जीडीपी का 5% तक बढ़ाएंगे। नीदरलैंड्स के द हेग शहर में हुई नाटो समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों से रक्षा खर्च बढ़ाने को कहा था। समिट के बाद सदस्य देशों की तरफ से जारी साझा स्टेटमेंट में कहा गया- हम सामूहिक सुरक्षा को लेकर अपने फैसले पर कायम है। वॉशिंगटन संधि के आर्टिकल-5 के मुताबिक सदस्य देशों में से किसी पर भी हमले को सभी देशों पर हमला माना जाएगा। नाटो मीटिंग का एजेंडा यूरोपीय देशों के रक्षा खर्च में हिस्सेदारी को बढ़ाना ही था। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नाटो को बहुत पैसा देता है, लेकिन बाकी देश अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं। ट्रम्प चाहते हैं कि सभी सदस्य देश अपने जीडीपी का 5% रक्षा पर खर्च करें। अभी नाटो के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है, जो देशों की जीडीपी का औसतन 2% है।

फैसला

स्पेन इस प्रस्ताव के विरोध में – महासचिव मार्क रूटे ने भरोसा जताया था कि सभी 32 देश इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। रूस की ओर से खतरे को देखते हुए पोलैंड, जर्मनी, नीदरलैंड्स और स्कैंडिनेवियाई देश इस प्रस्ताव को समर्थन दे भी रहे हैं। वहीं, स्पेन ने साफ कर दिया कि वह अपनी जीडीपी का 5% रक्षा खर्च पर नहीं लगा सकता। स्पेन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वो 2।1% से ज्यादा खर्च नहीं करेगा। सांचेज की सरकार पहले ही भ्रष्टाचार और राजनीतिक दबाव में है, और ऐसे में खर्च बढ़ाना और मुश्किल हो गया है। फ्रांस, इटली, कनाडा और बेल्जियम जैसे देश भी इतना खर्च करने को लेकर सहज नहीं हैं।

नाटो का एजेंडा 3।5%-1।5% के समझौते पर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांगों को ध्यान में रखते हुए नाटो महासचिव मार्क रुटे ने समिट का एजेंडा तय किया है। बैठक में मुख्य जोर यूरोपीय देशों द्वारा रक्षा खर्च बढ़ाने पर है, जिसे ट्रम्प लंबे समय से मांगते आ रहे हैं। नाटो में चल रहे मतभेदों के बीच महासचिव मार्क रुटे ने एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, सदस्य देशों को अपनी जीडीपी का 3।5% सीधे सेना और हथियारों पर खर्च करना होगा और 1।5% ऐसे कामों पर जो रक्षा से जुड़े हों। प्रस्ताव में 1।5% खर्च की परिभाषा बहुत खुली रखी गई है। इसका मतलब यह है कि हर देश इसे अपने तरीके से समझ सकता है और किसी भी खर्च को 'रक्षा खर्च' बता सकता है। कुछ देश जैसे पोलैंड, एस्टोनिया और लिथुआनिया (जिन्हें रुस से खतरा ज्यादा है) इस लक्ष्य को पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बाकी यूरोपीय देश इस खर्च को पूरा करने में अभी काफी पीछे हैं। कई देशों के लिए यह खर्च बहुत बड़ा है और वे शायद 2032 या 2035 तक भी इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएंगे।

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत

20 घायल, कई की हालात गंभीर : मरने वालों में 8 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल

मेक्सिको सिटी ● एजेंसी

मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में देर रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उस वक्त लोग इरापुआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी। मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत

गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इरापुआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे। राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है। यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति भड़के : 100% वामपंथी पागल है,

न्यूयॉर्क में ममदानी की जीत पर भड़के ट्रंप

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट नेता जोहरान ममदानी पर जबरदस्त हमला बोला है। दरअसल भारतीय मूल के 33 वर्षीय ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युमो को हरा दिया है। प्रख्यात भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के बेटे जोहरान को मंगलवार रात को मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में विजेता घोषित किया गया।चुनाव परिणाम सामने आने के एक दिन बाद ही ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जोहरान ममदानी पर तीखा हमला किया। उन्होंने ममदानी को 100 फीसदी वामपंथी पागल बताते हुए उनका मजाक उड़ाया और कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी अब पूरी तरह 'कट्टरपंथी वामपंथियों' के हाथों में चली गई है।

ममदानी का विजन: प्रगतिशील सोच की जीत

2021 से न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली में क्वींस के एस्टोरिया क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे ममदानी ने इस चुनाव में प्रगतिशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनके मुख्य वादों में शामिल हैं- शहर द्वारा संचालित किराना स्टोर, किराया वृद्धि पर रोक, और मुफ्त बस सेवाएं। इन योजनाओं को लागू करने के लिए उन्होंने बड़े कारोबारियों और अमीर नागरिकों पर 10 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है।विदेश नीति पर मुखर रुखविदेश नीति पर भी ममदानी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने इसरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की संभावित न्यूयॉर्क यात्रा पर कहा था कि यदि नेतन्याहू आएंगे, तो वो उन्हें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर गिरफ़्तार करवाएंगे।

वह भयानक दिखता है, उसकी आवाज कर्कश है- ट्रंप का तीखा हमला

ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, "आखिरकार वो दिन आ गया है जब डेमोक्रेट्स ने सारी हदें पार कर दी हैं। जोहरान ममदानी एक 100 फीसदी कम्युनिस्ट पागल है। उसने डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीत ली है और अब वो न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बनने की राह पर है। हमारे पास पहले भी कट्टरपंथी वामपंथी थे, लेकिन यह थोड़ा हास्यास्पद हो रहा है। वह भयानक दिखता है, उसकी आवाज कर्कश है, वह बहुत होशियार नहीं है, उसके पास AOC+3 है, सभी बेवकूफ हैं, उसका समर्थन कर रहे हैं, और यहां तक कि हमारे महान फिलिस्तीनी सीनेटर, क्रायिन चक शूमर भी उसके आगे झुक रहे हैं। हां, यह हमारे देश के इतिहास में एक बड़ा क्षण है! ट्रंप ने अपने दूसरे पोस्ट में डेमोक्रेटिक पार्वे का मजाक उड़ाते हुए लिखा, "मेरे पास डेमोक्रेट्स को 'खेल' में वापस लाने का एक आइडिया है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलने के बाद वर्षों तक ठंड बस्ते में चले गए डेमोक्रेट्स को कम IQ उम्मीदवार, जैस्मीन क्रॉकेट को राष्ट्रपति पद के लिए नामित करना चाहिए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)